वर्ष-01, अंक- 02 मासिक- जून 2025 पृष्ठ- 36 मूल्य- 20 रूपए

मासिक पत्रिका - जून 2025

पंजीयन संख्या- RNI- CHHHIN/25/A0341

jashpurvaninews@gmail.com

स्वतंत्र निर्भिक स्वतंत्र आवाज

जशपुर की आवाज

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका

परंपरागत श्रद्धा-भक्ति और उल्लास के वातावरण में निकाली गई भव्य रथयात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तपकरा को नगर पंचायत बनाने की घोषणा, फरसाबहार में विश्राम गृह निर्माण की घोषणा

विष्णु सुशासन में बदल रही बस्तर की तस्वीर नक्सल हिंसा की जगह अब छाई खुशियां

मुख्यमंत्री ने कहा स्वस्थ जीवन के लिए योग को बनाएं दिनचर्या का अभिन्न अंग

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री

Vishnu Deo Sai
CHIEF MINISTER

मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोनः +91 (771) 2221000, 2221001
ई–मेल : cmcg@nic.in

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Nava Raipur Atal Nagar,
Raipur, 492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001
E-mail : cmcg@nic.in

Do. No. 1544
Date 02/07/2025

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि जशपुर जिले से प्रथम मासिक पत्रिका जशपुर की आवाज का प्रकाशन होने जा रहा है। आशा है इस मासिक पत्रिका के माध्यम से समूचे छत्तीसगढ़ को एक नया आयाम मिलेगा। जशपुर की आवाज मासिक पत्रिका में स्थानीय गतिविधियों के साथ सुदूर वनांचल क्षेत्रों की मूल समस्याओं को सामने लाने का कार्य उस समस्या के समाधान की दिशा में सार्थक कदम होगा। जनहित से जुड़े मुद्दों पर सतत कार्य करते हुए पत्रकारिता को जीवंत रखने का कार्य पूरी टीम जिम्मेदारी से कर रही है जो सराहनीय है।

जशपुर से प्रकाशित पहली मासिक पत्रिका जशपुर की आवाज की पूरी टीम को शुभकामाएं बधाई। पत्रिका के प्रथम प्रकाशन के अवसर पर संपादक के साथ पूरी टीम को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

(विष्णु देव साय)

प्रति,

श्रीमती अमृता सहाय
स्वामी एवं प्रकाशक
श्री प्रशांत सहाय
संपादक
मालाकुंज बालाजी टोली
जशपुर पिन 496331

गोमती साय
विधायक
विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-14
पत्थलगाँव, जिला-जशपुर (छ.ग.)
पूर्व सांसद-लोकसभा क्षेत्र क्र.-02, रायगढ़

उपाध्यक्ष
सरगुजा विकास प्राधिकरण (केबिनेट मंत्री दर्जा)
पता : ग्राम-मुण्डाडीह, पोस्ट-भगोरा
जिला-जशपुर (छ.ग.) 496242
Mob. : +91 9131498653
E-mail : gomatisai2324@gmail.com

पत्र क्रमांक 128/कार्यालय मुण्डाडीह/2025 दिनाँक 29/6/2025

–:शुभकामना संदेश:–

अत्यंत हर्ष का विषय है कि जशपुर जिले से प्रथम मासिक पत्रिका जशपुर की आवाज का प्रकाशन होने जा रहा है।आशा है इस मासिक पत्रिका के माध्यम से समूचे छत्तीसगढ़ को एक नया आयाम मिलेगा।जशपुर की आवाज मासिक पत्रिका में स्थानीय गतिविधियों के साथ सुदूर वनांचल क्षेत्रों की मूल समस्याओं को सामने लाने का कार्य उस समस्या के समाधान की दिशा में सार्थक कदम होगा। जनहित से जुड़े मुद्दों पर सतत कार्य करते हुए पत्रकारिता को जीवंत रखने का कार्य पूरी टीम जिम्मेदारी से कर रही है जो सराहनीय है।

जशपुर से प्रकाशित पहली मासिक पत्रिका जशपुर की आवाज की पूरी टीम को शुभकामाएं बधाई।पत्रिका के प्रथम प्रकाशन के अवसर पर संपादक श्री प्रशांत सहाय जी के साथ पूरी टीम को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

(गोमती साय)

प्रति,
स्वामी एवं प्रकाशक
श्रीमती अमृता सहाय

संपादक
श्री प्रशांत सहाय
मालाकुंज बालाजी टोली
जशपुर पिन 496331

श्रीमती रायमुनी भगत
विधायक
जशपुर क्षेत्र क्रमांक - 12
जिला - जशपुर (छ.ग.)

निवास-
म.न. 93 वार्ड क्र. 02
सरनाटोली जशपुर नगर
जिला जशपुर (छ.ग.) 496331
Mob.:+91 8839434481
Email :raimunibhagat@gmail.com

क्रमांक : 441

दिनांक : 30/06/2025

-:शुभकामना संदेश:-

अत्यंत हर्ष का विषय है कि जशपुर जिले से प्रथम मासिक पत्रिका जशपुर की आवाज का प्रकाशन होने जा रहा है।आशा है इस मासिक पत्रिका के माध्यम से समूचे छत्तीसगढ़ को एक नया आयाम मिलेगा।जशपुर की आवाज मासिक पत्रिका में स्थानीय गतिविधियों के साथ सुदूर वनांचल क्षेत्रों की मूल समस्याओं को सामने लाने का कार्य उस समस्या के समाधान की दिशा में सार्थक कदम होगा। जनहित से जुड़े मुद्दों पर सतत कार्य करते हुए पत्रकारिता को जीवंत रखने का कार्य पूरी टीम जिम्मेदारी से कर रही है जो सराहनीय है।

जशपुर से प्रकाशित पहली मासिक पत्रिका जशपुर की आवाज की पूरी टीम को शुभकामाएं बधाई।पत्रिका के प्रथम प्रकाशन के अवसर पर संपादक श्री प्रशांत सहाय जी के साथ पूरी टीम को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

श्रीमती रायमुनी भगत

(विधायक जशपुर)

प्रति,

स्वामी एवं प्रकाशक
श्रीमती अमृता सहाय
संपादक
श्री प्रशांत सहाय
मालाकुंज बालाजी टोली
जशपुर पिन 496331

Scanned with OKEN Scanner

पंजीयन संख्या- RNI- CHHHIN/25/A0341

जशपुर की आवाज

मुद्रक एवं प्रकाशक
श्रीमती अमृता सहाय
संपादक
प्रशात सहाय
वर्ष : 01
अंक : 02
प्रकाशन की तिथि
25 जून, 2025
मो. 9302887876,9907599002

प्रशांत सहाय
मुख्य संपादक

श्रीमती अमृता सहाय
स्वामी, प्रकाशक, एवं संपादक

योगेश थवाईत- प्रबंध संपादक
सुरेन्द्र चेतवानी- सह संपादक
विद्यानंद ठाकुर- सह संपादक
निरंजन मोहंती- सह संपादक
परेश दास- संभागीय ब्यूरो
ऋषि थवाईत- जिला ब्यूरो जशपुर

स्वामी, प्रकाशक,एवं संपादक – श्रीमती अमृता सहाय, वार्ड क्रमांक 13 मालाकुंज बालाजी टोली जशपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, आसमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड जयस्तंभ चौक रायपुर, रायपुर छग से मुद्रित, मो. 9907599002 संपादक प्रशांत सहाय RNI-CHHHIN/25/A0341 (न्याय क्षेत्र जशपुर होगा।)

मेरे जशपुर की पहचान

जशपुर जश जीवंत हो, जीव जगत जयकार।

जल जंगल जमीन लिखे,आज यहां लयकार ।।

स्याह चेहरे पर
रंग बिखेरती मुस्कान
मेरे जशपुर की पहचान है।
बदलते मौसम के साथ
उजड़ते वादियों में
नैसर्गिक हरियाली
मेरे जशपुर की पहचान है।
कहलाते कौरव के वंशज
असुर,धुरंधर,कोरवा
एकलव्य जैसे धनुर्धर
मेरे जशपुर की पहचान है।

खुड़िया में विराजित कुंवारी शक्ति
जहां पूजी जाती है नारी
होती हर मनोकामना पूर्ण यहां
मेरे जशपुर की पहचान है।

बहती धारा जहां
सोगड़ा ब्रम्हनिष्ठालय की
जागृत होती सनातन संस्कृति
मेरे जशपुर की पहचान है।
गज,गाज,भुजंग का कोलाहल
समस्या,सरोकार से समाधान तक
कहलाता नागलोक
मेरे जशपुर की पहचान है।
अदम्य साहस डोम कौशल
राज रियासत के साथी
वीरता युद्धकौशल की
जूदेव मेरे जशपुर की पहचान है।

योगेश थवाईत
प्रबंध संपादक

श्रद्धा और ज्ञान का अनोखा संगम है शारदाधाम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर शारदाधाम पर्यटन स्थलों की सूची में हुआ शामिल पर्यटन बोर्ड प्रचार प्रसार और सुविधा विकसित करने में देगा सहयोग

प्रशांत सहाय
मुख्य संपादक

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ और झारखण्ड की अंतर्राज्यी सीमा पर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक व प्राकृतिक पर्यटन स्थल शारदाधाम को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ टुरीज्म बोर्ड ने राज्य के चिन्हकित पर्यटन स्थलों की सूची में शामिल कर लिया है। पर्यटन बोर्ड ने इसके लिए परिपत्र जारी कर दिया है। बोर्ड के इस निर्णय से इस पर्यटन स्थल को एक नई पहचान मिल सकेगी। बोर्ड इसके प्रचार-प्रसार के साथ ही पर्यटको के लिए मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए बजट उपलब्ध करा सकेगा।

शारदाधाम में विद्यादायनी माँ सरस्वती की श्रद्धा और ज्ञान अर्जन का अनोखा संगम देखने को मिलता है। यहां छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य के जरूरतमंद बच्चों के रहने और पढ़ने के लिए कोचिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। शारदाधाम समिति के अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष कोचिंग संस्था में बच्चों के रहने,खाने के साथ उनकी कोचिंग की निरूशुल्क व्यवस्था की गई है। बच्चों के रहने और कोचिंग का जो भी खर्चा होता

है,उसका व्यय समिति श्रद्धालुओं के सहयोग से पूरा करती है।

प्रकृतिक सौंदर्य से भरपूर है शारदाधाम प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल शारदाधाम,जिला मुख्यालय जशपुर से तकरीबन 30 किलोमीटर दूर,दुलदुला ब्लाक में स्थित है। माता सरस्वती का यह प्रसिद्ध मंदिर चारो ओर घने जंगल से घिरा हुआ है। नजदीक ही गिरमा नदी की कलकल करती मधुर ध्वनि यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का मन मोह लेते हैं।

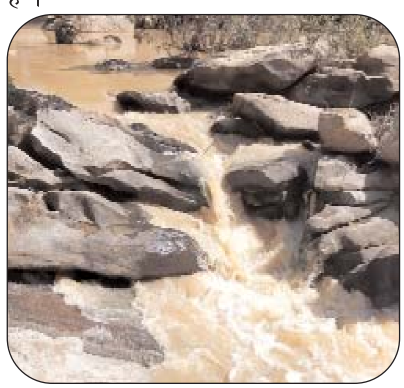

संचालन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि विद्यादायनी मां सरस्वती का यह भव्य मंदिर पूरी तरह से श्रमदान से तैयार किया गया है। दोनों राज्यों के श्रद्धालुओं ने पसीना बहा कर मां के इस मंदिर का निर्माण किया है। मंदिर के भवन का डिजाइन झारखंड के प्रसिद्ध लचलागढ़ हनुमान मंदिर के तर्ज पर तैयार किया गया है।

पर्यटन हब के रूप में विकसित हो रहा है जशपुर

उल्लेखनीय है कि वनाँचल क्षेत्र जशपुर में पर्यटन उद्योग विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तेजी से काम कर रहे हैं। कुनकुरी ब्लाक में स्थित मयाली नेचर कैंप के विकास के लिए दस करोड़ रूपये भारत दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं। यहीं स्थित मधेश्वर महादेव को हाल ही में गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकार्ड ने विश्व का सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में मान्यता दी है। इसके साथ ही सीएम विष्णुदेव साय ने जिले को पर्यटन नक्शे से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए फरसाबहार ब्लाक में स्थित कोतेबीराधाम में लक्ष्मण झूला के तर्ज पर पुल निर्माण की घोषणा की है। इसके साथ ही जिले में देशदेखा,रानीदाह जैसे पर्यटन स्थलों को विकसित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय का लक्ष्य जिले में ग्रीन उद्योग विकसित कर जिलेवासियों को रोजगार उपलब्ध कराना है।

श्रद्धा-भक्ति और उल्लास के साथ निकली भव्य रथयात्रा

जशपुर। जशपुर ज़िले के ऐतिहासिक एवं प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर दोकड़ा में इस वर्ष भी रथयात्रा महोत्सव का आयोजन परंपरागत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ किया गया। मंदिर से रथ यात्रा के रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने जगन्नाथ मंदिर में पूरे विधि-विधान से भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने झाड़ू से रथयात्रा के मार्ग को बुहारकर छेरा-पहरा की रस्म निभाई।

भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा जगन्नाथ मंदिर दोकड़ा से मौसीबाड़ी पहुंचे, 9 वें दिन होगी भव्य वापसी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय रथयात्रा में हुए शामिल, निभाई छेरा-पहरा की रस्म

मुख्यमंत्री श्री साय ने हजारों श्रद्धालुओं के साथ भक्तिभावपूर्वक रथ यात्रा में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के रथ को रस्सी खींचकर आगे बढ़ाया। पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष, भजन-कीर्तन और भक्तिमय उल्लास से गूंज उठा। रथ यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए मौसीबाड़ी पहुंची। भगवान श्री जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा नौ दिनों तक अपनी मौसी के घर मौसीबाड़ी में विराजमान रहेंगे। नौवें दिन 5 जुलाई को शुभ वापसी श्री जगन्नाथ मंदिर, दोकड़ा में होगी। यह आयोजन ओडिशा के पुरी धाम की परंपरा के अनुरूप आयोजित किया गया है।

दोकड़ा में सन् 1942 से जारी है रथ यात्रा की परंपरा

रथ यात्रा की शुरुआत दोकड़ा में वर्ष 1942 में हुई थी। इसकी शुरूआत स्वर्गीय श्री सुदर्शन सतपथी एवं उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सुशीला सतपथी द्वारा श्रद्धा और समर्पण के साथ की गई थी। तब से यह परंपरा निरंतर श्रद्धा और उत्साह के साथ निर्विघ्न रूप से जारी है। समय के साथ यह आयोजन अब एक भव्य धार्मिक मेले का रूप ले चुका है, जिसमें श्रद्धालुओं की विशाल सहभागिता देखने को मिलती है रथ यात्रा के पावन अवसर पर ओडिशा से आमंत्रित कीर्तन मंडलियों ने भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। साथ ही रथ यात्रा में अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां भी शामिल रहीं, जो भगवान श्री जगन्नाथ की महिमा और हमारी सांस्कृतिक विविधता की भव्यता को अत्यंत आकर्षक रूप में प्रदर्शित कर रही थीं।

नौ दिनों तक चलेगा धार्मिक पर्व

श्री जगन्नाथ मंदिर समिति दोकड़ा के सदस्यों ने बताया कि रथ यात्रा महापर्व नौ दिवसीय भव्य धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मंदिर परिसर और दोकड़ा गांव पूरे श्रद्धा और उत्साह से सराबोर रहता है। पूरे महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन, संगीतमय प्रस्तुतियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ बच्चों और युवाओं के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जो पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से भर देता है। रथ यात्रा के उपलक्ष्य में दोकड़ा में एक विशाल मेले का भी आयोजन किया गया है, जो इस उत्सव की शोभा को और अधिक बढ़ा देता है। मेला परिसर में मनोरंजन के लिए झूले, स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल, पारंपरिक हस्तशिल्प की दुकानें और अन्य आकर्षण मौजूद हैं। जो सभी के लिए आनंद का केंद्र बनते हैं। यह आयोजन आस्था, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम है।

मुख्यमंत्री साय ने किया योगाभ्यास

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिला मुख्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया और सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि योग कोई नई पद्धति नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है, जिसे ऋषि-मुनियों ने विकसित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, जिसके परिणामस्वरूप 2015 से प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में विश्वभर में मनाया जा रहा है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज 175 से अधिक देशों में योग की गूंज सुनाई देती है। मुख्यमंत्री के साथ जनप्रतिनिधियों, स्कूली छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। योग प्रशिक्षकों ने चक्रासन, अर्धचक्रासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, प्राणायाम, वज्रासन सहित विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दिन के 24 घंटों में से कुछ समय योग के लिए अवश्य निकालें। इससे न केवल गंभीर बीमारियां दूर होती हैं, बल्कि भविष्य में रोग होने की संभावना भी कम होती है। उन्होंने जेनेरिक दवाओं के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि ये दवाएं प्रभावी, सुलभ और किफायती हैं। मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों की बड़ी संख्या में भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि योग से बच्चों का मन शांत होता है और पढ़ाई में ध्यान केंद्रित होता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नालंदा परिसर का भूमिपूजन किया। 11.29 करोड़ रुपये की लागत से 2 एकड़ में बनने वाले इस परिसर में 500 विद्यार्थी एक साथ अध्ययन कर सकेंगे। परिसर में एक आकर्षक उद्यान भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को विशेष लाभ मिलेगा। आज ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र भी जागरूक होकर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इसलिए राज्य सरकार ने सभी जिला मुख्यालयों और बड़े शहरों में नालंदा परिसर स्थापित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कुल 107.81 करोड़ रुपये के 64 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें जशपुर विधानसभा क्षेत्र में 61.20 करोड़ रुपये के 85 कार्यों का भूमिपूजन और 15.80 करोड़ रुपये के 6 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इसी प्रकार, कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के फरसाबहार विकासखंड में 24.90 करोड़ रुपये के 15 कार्यों का भूमिपूजन और 5.91 करोड़ रुपये के 4 कार्यों का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत वृक्षारोपण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु शुरू हो चुकी है, जो पौधरोपण के लिए उपयुक्त समय है। कार्यक्रम में योग आयोग के प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

संपादकीय

युवा चेहरों के साथ बदलता राजनैतिक परिदृश्य

छत्तीसगढ़ की राजनीति में प्रारंभ से ही जशपुर का दखल रहा है या हम यूँ कह सकते हैं कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के ध्रुव बिंदु के रूप में जशपुर को स्थान मिलता आया है।स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की अडिगता के साथ आविभाजित मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ की स्थापना हुई जिसमें अजेय योद्धा के रुप मे स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव की भूमिका अहम रही।हांलाकि वे प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं बन पाए इसके बावजूद कमान खींचकर सतत प्रदेश से लेकर केंद्र की राजनीति में वे पारंगत रहे। स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव राजनीति के ऐसे खिलाड़ी रहे जो व्यक्ति के अंदर छिपी प्रतिभा को भली भांति भांपते रहे उन्हें जिम्मेदारी देते रहे।अपने वक्तव्यों में उन्होंने कई बार आदिवासी मुख्यमंत्री की बात उन्होंने कही थी जिसका साकार रुप हम सीएम विष्णुदेव साय के रुप में देख रहे हैं जो आज आदिवासी प्रतिनिधित्व के साथ पूरे छत्तीसगढ़ का नेतृत्व कर रहे हैं। जशपुर का यह सौभाग्य है जहां की मिट्टी ने भाजपा को सतत सींचने का काम किया है प्रदेश की राजनीति को पोषित करने का कार्य किया है।स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव के बाद कृष्ण कुमार राय पूर्व अध्यक्ष खादी ग्रामोद्योग बोर्ड एवं रणविजय सिंह जूदेव पूर्व राज्यसभा सांसद ने यहां की राजनीति को जीवंत रखने का काम किया जिसका परिणाम है कि आज प्रदेश नेतृत्व का जिम्मा जशपुर को मिला और सीएम के रुप में विष्णु सुशासन के डेढ़ साल पूरे हो चुके हैं।

योगेश थवाईत
प्रबंध संपादक

बात करें वर्तमान राजनैतिक परिदृश्य की तो प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सतत युवा चेहरों को सामने लाया जा रहा है।इसके साथ ही संघीय पृष्ठभूमि के साथ भाजपा संगठन सामंजस्य बनाकर भविष्य की रणनीति तय करती नजर आ रही है।केंद्रीय संगठन ने जशपुर जिले से विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री के रुप में छतीसगढ़ की कमान सौंपी।जशपुर जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर भाजपा ने अपना परचम लहराया।जिसमें जशपुर विधानसभा से श्रीमती रायमुनि भगत,कुनकुरी से स्वयं सीएम विष्णुदेव साय एवं पत्थलगांव से श्रीमती गोमती साय ने जीत हासिल की।

प्रदेश की साय सरकार ने जशपुर जिले से अहम भूमिका तय करते हुए यहां के युवा चेहरों को कई बड़ी जिम्मेदारियां देते हुए उन्हें विष्णु सुशासन का अंग बनाया है।जिला पंचायत जशपुर अध्यक्ष के रुप में युवा चेहरे सालिक साय को बड़ी जिम्मेदारी मिली जो पूर्व में कांसाबेल के जनपद अध्यक्ष रहे हैं।जिला पंचायत उपाध्यक्ष के पद पर राजपरिवार के शौर्य प्रताप सिंह जूदेव को सुशोभित किया गया है।नगर पालिका परिषद जशपुर में अध्यक्ष के रुप में संघीय पृष्ठभूमि से आने वाले अरविंद भगत युवा नेतृत्व बनकर उभरे हैं।नगर पालिका परिषद जशपुर में उपाध्यक्ष पद पर पुन: राजपरिवार से युवा चेहरे यश प्रताप सिंह को सुशोभित किया गया है।

पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय को सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। जशपुर भाजपा के वरिष्ठ नेता रामप्रताप सिंह को छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष की जिम्मेदारी साय सरकार ने सौंपी है।संघ के बेहद करीबी शंभूनाथ चक्रवर्ती को अध्यक्ष छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड का दायित्व दिया गया है।संघ के दूसरे करीबी कार्यकर्ता सुरेन्द्र बेसरा को अध्यक्ष छत्तीसगढ़ अन्त्यावसायी राज्य सहकारी वित्त एवं विकास निगम की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।श्रीमती प्रियंवदा सिंह जूदेव को छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग का माननीय सदस्य चुना गया है।वहीं संगठन में पूर्व महामंत्री भरत सिंह को जशपुर भाजपा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।हालांकि कई ऐसे नाम हैं जिनपर फ़िलहाल कुछ निर्णय नहीं हो पाया है जिसको लेकर सरकार बेहद गंभीर है आने वाले समय में उन नामों पर भी विचार मंथन के बाद नवनीत निकलकर सामने आने की उम्मीद है। बहरहाल उक्त सभी जिम्मेदारियों के पीछे लगन और मेहनत का स्पष्ट परिणाम सामने है।नई व्यवस्था में साय सरकार ने ज्यादातर भागीदारी युवाओं को देते हुए संघीय पृष्ठभूमि पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है। प्रदेश की साय सरकार ने युवा नेतृत्वों को जो जिम्मेदारी सौंपी है निश्चित ही वे जशपुर की आवाज बनकर साय सरकार तक पहुंच रहे हैं।जिस पर स्थानीय समस्याओं के निदान के साथ विकास के नए आयाम गढ़ने की दिशा में कार्य हो रहा है।लगभग डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में जिस प्रकार से राजनैतिक परिदृश्य बदल रहा है उससे स्पष्ट है कि साय सरकार पुराने ढर्रे से हटकर नई सोच के साथ आगे बढ़ रही है।केंद्र सरकार की योजनाओं को गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उसका लाभ दिलाना सरकार की पहली प्राथमिकता बनी हुई है जिसपर साय सरकार निरंतर कार्य कर रही है।केंद्र सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए न केवल भाजपा संगठन कार्य कर रही है बल्कि साय सरकार के जिम्मेदार मंत्री,विधायक भी जमीन में उतरकर योजनाओं को क्रियान्वित करने में लगे हैं।

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज"
के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

सालिक साय
अध्यक्ष

शौर्य प्रताप सिंह जूदेव
उपाध्यक्ष

समस्त जिला पंचायत सदस्य, सीईओ जिला पंचायत एवं समस्त कर्मचारी जिला पंचायत जशपुर

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत जागरूकता प्रसार के लिए जिला पंचायत में हुआ कार्यशाला का आयोजन

जशपुरनगर। धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत आज जिला पंचायत सभाकक्ष में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए विभिन्न विभागों के द्वारा संचालित विकास योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही बताया गया कि इस योजना के माध्यम से किस तरह इन क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है। इसके अलावा कार्यशाला में इस योजना के माध्यम से ज्यादातर लोग लाभान्वित हो इसके लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने की अपील भी की गई। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने मां सरस्वती, भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी और धरती आबा बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर दीप प्रज्ववलन कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय सहित अन्य अतिथियों ने धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, पूर्व विधायक श्री जगेश्वर भगत, जशपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष जशपुर श्री गंगाराम भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष दुलदला श्री राजकुमार सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति भगत और अनिता सिंह, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री संजय कुमार सिंह सहित समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान केंद्र सरकार की महती योजना है। इसके माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए योजनाएं बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत छोटी बसाहटें जहां अभी तक विकास ठीक से नहीं हो पाया है वहां समग्र रूप से विकासकार्य कराएं जाएंगें। मुख्यमंत्री मोबाईल टावर योजना के माध्यम से जशपुर जिले के लिए 200 टावर निर्माण कराया जाएगा। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी मोबाईल नेटवर्क की पहुंच होगी।

इस अभियान की जानकारी और इसका लाभ दिलाने के लिए प्रत्येक विकासखंड में जो 16 जून से 30 जून तक शिविर लगाए जा रहे है।

उन्होंने वहां मौजूद सभी जनप्रतिनिधियों एवं अन्य लोगों से इसकी जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुचाने की अपील की ताकि, इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सके।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय परिवारों और जनजातीय बाहुल्य गाँवों को बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त करके जनजातीय समुदायों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। उन्होंने कहा की इस अभियान के क्रियान्वयन में जशपुर जिला को अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए सभी के सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में विकासकार्य कराया जाना है इसकी जानकारी दें ताकि इसकी कार्ययोजना बना कर उस क्षेत्र का विकास कराया जा सके।

आरबीआईपीएम जनमन योजना से जशपुर के पहाड़ी अंचलों में बसाहटों तक पहुंची

निरंजन मोहंती

जशपुर। मनोरा के पहाड़ी अंचलों में बसे विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर परिवारों के उनकी सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संचालित पीएम जनमन योजना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आई है,अब तक समाज की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाए इन बिरहोर बसाहटों तक पक्की सड़क बन चुकी है। ये सड़कें इन बिरहोर परिवारों के सर्वांगीण विकास की एक नई उम्मीद है।बारिश के दिनों में उनको कच्ची सड़कों से होने वाली समस्याओं से उन्हें निजात मिलेगी। परंतु जनमन योजना के तहत बनी सड़कों पर भारी वाहनों के चलने से सड़कें ज्यादा दिन तक सुरक्षित रह पाना मुश्किल है ।इस जनमन सड़क पर भारी वाहनों का आवागमन इस योजना के उद्देश्यों और नियमों के विरुद्ध है। यह योजना मुख्य रूप से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (क्ङ्क्ञत्रह्य) की बस्तियों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए बनाई गई है, ताकि उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके. नव निर्मित सड़कें पर भारी वाहनों के चलने से भारी नुकसान पहुंच रहा है,टिकाऊपन आगे चलकर कम हो सकती है। जिससे इन बस्तियों को मिलने वाली सुविधाओं में आगे चल कर समस्या आ सकती है। जशपुर जिले के मनोरा ब्लाक में जनमन योजना के तहत सड़के बनाई गई है जिसमे टीआर-05 से बंधकोना बी लम्बाई 1.70 किमी. टीआर-05 से भंवरपाठ लम्बाई 1.70 किमी. एवं एल-45 से भुरूघाट लम्बाई 4.70 किमी.12-042 से वासतळा कोदोपानी 10.10 किमी,ञ्क्रह्स् ञ्0 रेमने-1.88 किमी,ञ्क्र ञ्क्रह्स् ञ्ह नावाझर 7.70 किमी,यह सड़क सुदूर पहाड़ी इलाके में बसे

विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह और राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले पहाड़ी कोरवा जनजाति जो की मुख्य धारा से जोड़ने में एक अहम भूमिका अदा कर रही है। परन्तु इन नवीन निर्मित सड़को का फायदा उठा कर लोग वाहन क्षमता से अधिक ओवर लोड ट्रक, हाइव आवागमन करा रहे है जिससे सड़क सहन क्षमता से अधिक लोड ले जाने के कारण सड़क खराब होने की पूरी संभावना है। इसे लेकर पड़ताल की तो पता चला कि जनमन योजना के तहत जो सड़कें बनाई जाती है उनकी क्षमता 12 टन तक भार वाली गाड़ियों के गुजरने की ही होती है लेकिन इन सड़कों से तो 15 से 20 टन से भी अधिक भार लेकर गाड़ियां गुजरती दिखाई दे रही हैं जबकि इस योजना के तहत बनी सड़कों पर 12 टन से अधिक भार लेकर चलने वाले वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित होता है और बोर्ड भी सड़कों पर लगा होता है। इसके बावजूद सड़कों पर भारी वाहन प्रवेश करते हैं जो सड़कों के खराब होने का प्रमुख कारण बनते हैं जनमन सड़कें ग्रामीणों को सुविधा देने के नाम बनाई जाती है लेकिन इनका दुरूपयोग ओवरलोडेड वाहनों द्वारा किया जाता है जनमन योजना के तहत बनी सड़कों पर भारी वाहनों के चलने को रोकने के लिए, स्थानीय प्रशासन को सख्त नियम लागू करने चाहिए और उनका पालन सुनिश्चित करवाना चाहिए। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों को भी जागरूक होना होगा कि वे इन सड़कों का उपयोग कैसे करें, ताकि वे सुरक्षित रहें और योजना का लाभ उठा सकें।

मनोरा ब्लाक में जनमन योजना से नव निर्मित सड़कें बनी है लोग वाहन क्षमता से अधिक ओवर लोड ट्रक हाइव आवागमन कर रहे है सड़क सहन क्षमता से अधिक लोड गाड़ियों के खिलाफ की जाएगी सख्त कार्रवाई।

- राजेश कुमार दुबे -एसडीओ - प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क

मुख्यमंत्री साय ने दुलदुला में 3 करोड़ से अधिक के विकासकार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

नगेराटुक्कू के सौंदर्यीकरण और डूमरडीह में कुम्हार समाज के लिए सांस्कृतिक मंडप निर्माण की घोषणा

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज दुलदुला के हाट बाजार में आयोजित एक कार्यक्रम में दुलदुला विकासखंड के लिए 3 करोड़ 45 हजार रुपए की लागत के विकासकार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 22.36 लाख रूपए की लागत से नवनिर्मित ग्रामीण हाट बाजार शेड निर्माण कार्य का लोकार्पण और 2 करोड़ 78 लाख 9 हजार रुपए लागत के 10 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पर्यटन स्थल नगेराटुक्कू के सौंदर्यीकरण करने और डूमरडीह में कुम्हार समाज के लिए सांस्कृतिक मंडप निर्माण की घोषणा भी की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने योग दिवस की सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि हमें अपने शरीर और मन को स्वस्थ बनाए रखने के लिए नियमित योग करना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ ने आज के दिन को योग दिवस के रूप में मान्यता दी है। आज पूरी दुनिया योग से होने वाले लाभों का अनुभव कर इस प्राचीन भारतीय विद्या को अपना रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत मयूरचुंदी से दुलदुला तक बस सेवा प्रारंभ की जाएगी। दुलदुला में भी बस स्टैंड निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। महतारी वंदन योजना ने माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही है। तेंदू पत्ता प्रति मानक बोरा 5500 रुपए किया गया है। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र' के माध्यम से गांवों में बैंकिंग की सुविधा मिल रही है। आगामी पंचायत दिवस को सभी ग्राम पंचायतों में इसे शुरू करने की योजना है। रजिस्ट्री में 10 नई क्रांतियां में नवाचारों का बेहतर उपयोग कर आम नागरिकों के सहूलियत से लिए पंजीयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल, डिजिटल और नागरिक केंद्रित बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया उनमें 01 करोड़ 21 लाख रुपए लागत के नवीन भवन निर्माण हायर सेकेंडरी स्कूल, दुलदुला में 99.99 लाख रुपए लागत के सर्वसुविधायुक्त सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य, 10 लाख रुपए लागत के पुलिया निर्माण कार्य जामनाला ग्राम पंचायत सपघरा, 7.80 लाख रुपए लागत के सी सी रोड निर्माण रेंगाबहार पहुंच मार्ग ग्राम पंचायत चटकपुर, 7.80 रुपए लागत के सी रोड निर्माण कार्य लीलांबर घर के पास ग्राम पंचायत करडेगा, 6.50 लाख रुपए लागत के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य ग्राम पंचायत सिरीमकेयहला, 5-5 लाख रुपए की लागत से ग्राम पंचायत कोरना, ग्राम पंचायत डोभ, ग्राम पंचायत सपघरा, ग्राम पंचायत झरगांव और ग्राम पंचायत मयुरचूंदी में अटल सुविधा केंद्र के लिए सी.एस.सी. भवन का निर्माण कार्य शामिल है।

जिला चिकित्सालय ने सर्पदंश से बचाव के लिए आमजन को सतर्क और जागरूक रहने की अपील की

जशपुरनगर। जिला चिकित्सालय ने बरसात के मौसम में सर्पदंश से बचाव और सर्पदंश की स्थिति में क्या करना है, क्या नहीं करना है इस बारे में जानकारी देते हुए आमजन को सतर्क और जागरूक रहने की अपील की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सर्पदंश से बचाव के लिए खिड़की के पास मौजूद पेड़ की शाखाएं और लताओं की कटाई करवाएँ, रात में घर से बाहर निकलते समय हमेशा जुता पहनें और टॉर्च लेकर चलें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, और जमीन पर ना सोयें, पलंग व खाट पर सोंयें घर, आंगन और धान्यागार में मौजूद चूहों के बिल, छेद आदि को बंद करें, मवेशी और मुर्गीशालाओं को सोने की जगह से दूर रखें, गोबर और सुखी लकड़ीयों के ढेर को घर से दूर रखें और अगर सांप का सामना हो तो हलचल ना करें, इससे सांप घबराकर काट सकता है। सर्पदंश होने की स्थिति पर व्यक्ति को आश्वस्त करें और शांत रहें, सांप से दूर हो जायें, घाव वाले अंग को स्थिर रखें, तथा सर्पदंश वाली जगह पर गहने आदि हो तो निकाल दें और पीड़ित को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र लेकर जायें।सर्पदंश होने पर क्या ना करें इस बारे में बताया कि पीड़ित को अत्यधिक दबाव या घबराहट ना होने दें। सांप को मारने की कोसिस ना करें, सर्पदंश वाले घाव को ना काटें ना ही खून निकालने की कोसिस करें, घाव को बांधकर रक्त संचार को रोकने की कोसिस ना करें और पारम्परिक तरीके से बैगा, गुनिया से उपचार ना करायें।

तपकरा, कांसाबेल एवं कुनकुरी में गजरथ यात्रा के संबंध में कार्यशाला आयोजित

हाथी के व्यवहार एवं गतिविधि के संबंध में दी गई जानकारी

जशपुरनगर। फरसाबहार विकासखण्ड के स्वामी आत्मानंद विद्यालय तपकरा, कांसाबेल एवं कुनकुरी के मिडिल और हाईस्कूल में लगभग 150 प्राचार्य एवं प्रधानपाठक की उपस्थिति में गजरथ यात्रा के संबंध में कार्यशाला आयोजित किया गया और समस्त बिन्दुओं और पहलुओं पर विस्तृत चर्चा कर कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दिया गया। साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। उक्त कार्यशाला में श्री पी.के. भटनागर, जिला शिक्षा अधिकारी जशपुर, श्री अभिनव केशरवानी उप वनमण्डलाधिकारी कुनकुरी, श्री एस.के. होता, वन परिक्षेत्राधिकारी कुनकुरी, सुश्री अकांक्षा लकड़ा, वन परिक्षेत्राधिकारी तपकरा तथा फरसाबहार, कुनकुरी एवं कांसाबेल के प्राचार्य एवं प्रधानपाठक एवं वन अमला उपस्थित थे। विगत कई वर्षो से जशपुर जिला हाथी विचरण क्षेत्र रहा है एवं हाथियों की उपस्थिति निरंतर बनी हुई है। यहां की भौगोलिक संरचना तथा घने वनक्षेत्र एवं अन्तर्राज्य सीमा से लगे होने के कारण कई स्थलों से हाथियों का प्रवेश जशपुर जिले में होता है। जिससे हाथी मानव द्वंद की घटनायें होने की संभावनायें बनी रहती है। हाथी मानव द्वंद को न्यूनतम करने हेतु 21 जून 2025 को जशपुर वनमण्डल के गजरथ यात्रा 2025 का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया है। गजरथ यात्रा हाथी प्रभावित अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर दौरा कर हाथी के व्यवहार एवं गतिविधि के संबंध में विशेष रूप से हाथी प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों में कक्षा 06वीं से 12वीं के छात्र-छात्राओं को जानकारी देकर जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है।

बस्ता गांव में बना पहला व्यवहार कॉर्नर

जशपुरनगर । जिला प्रशासन, समग्र शिक्षा तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित च्च्रूप नहीं गुणच्च् कार्यक्रम के अंतर्गत जिले का पहला व्यवहार कॉर्नर जशपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बम्हनपुर के अंतर्गत ग्राम बस्ता में स्थापित किया गया है। इस अभिनव पहल का नेतृत्व स्वयं सेविका तेजल भगत द्वारा किया जा रहा है। इस कॉर्नर में गांव के 25 से अधिक बच्चे नियमित बैठकर बाल विवाह, साइबर सुरक्षा, बच्चों की शिक्षा, सोशल मीडिया के प्रभाव और बॉडी सेफ्टी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हैं। स्वयंसेविका तेजल भगत बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। ब्लॉक समन्वयक श्री गुरुदेव प्रसाद भी समय-समय पर गतिविधियों की समीक्षा कर आगे की योजनाओं पर कार्य करते हैं। यूनिसेफपरियोजना के जिला समन्वयक श्री तेजराम सारथी ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिले में 10 से अधिक व्यवहार कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे। जिसका उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित, जागरूक और सशक्त बनाना है। समग्र शिक्षा के डीएमसी नरेंद्र कुमार सिंहा ने स्वयंसेविका तेजल भगत के प्रयासों की सराहना करते हुए इस कॉर्नर को बच्चों के हित में एक प्रेरक पहल बताया। इस अवसर पर 12 जून को यूनिसेफ राज्य कार्यालय से बाल संरक्षण विशेषज्ञ सुश्री चेतना देसाई द्वारा बस्ता गांव का भ्रमण किया और बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों से उनके कार्यों की जानकारी ली। बच्चों ने उन्हें बताया कि गांव में बाल विवाह, नशा मुक्ति, शिक्षा और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चलाया है। बच्चों ने गांव के दीवार लेखन, जगह-जगह जन जागरूकता रैली, और घर-घर जाकर समझाइश जैसे कार्यों की भी जानकारी दी। सुश्री देसाई ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और भरोसा दिलाया

पीडीएस के अंतर्गत् प्रचलित राशनकार्डो में दर्ज सभी सदस्यों का 30 जून तक पूर्ण करना होगा ई-केवायसी

जशपुरनगर। पीडीएस के अंतर्गत प्रचलित राशनकार्डो में दर्ज सभी सदस्यों का ई-केवायसी पूर्ण कराने के संबंध में भारत सरकार, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा दिये गये निर्देशानुसार राज्य में एक राष्ट्र एक राशनकार्ड योजनांतर्गत सभी हितग्राहियों को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न वितरण किया जाना है। जशपुर जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत 2,62,924 राशनकार्ड प्रचलित है। इन राशनकार्डो में 9,20,825 सदस्य पंजीकृत है। इन सदस्यों में से 7,99,223 सदस्यों का ई-केवायसी पूर्ण हो गया है। 1,21, 602 सदस्यों का ई-केवायसी शेष है। भारत सरकार द्वारा 05 वर्ष से कम उम्र के सदस्यों को ई-केवायसी में छूट दिया गया है। भी उचित मूल्य दुकानों में संचालित ई-पॉस मशीन में ई-केवायसी की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा मेरा ई-केवायसी एप्प के माध्यम से भी ई-केवायसी कर सकते है। मेरा ई-केवाससी एप्प के माध्यम से ई-केवायसी करने हेतु एंड्रायड मोबाईल में गूगल प्ले स्टोर से एप्प डाउनलोड कर हितग्राही राज्य का चयन कर अपना आधार नंबर डालकर, आधार ओटीपी फेस ई-केवायसी कर सकते है। राशनकार्डो में पंजीकृत सभी हितग्राही जिन्होंने अभी तक ई-केवायसी नहीं कराया है, ऐसे सभी हितग्राही किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने हेतु 30 जून, 2025 तक अपना ई-केवायसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करावें।

गर्मी के मौसम में धान की खेती करने वाले किसान मालती ने मक्का फसल की खेती से कमाएं दुगुना मुनाफा

सफलता की कहानी

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में जल सरंक्षण और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित है। जिसका फायदा पत्थलगांव विकासखण्ड के ग्राम काडरो के कृषक श्री मालती मोहन उठा रहे हैं। पहले ग्रीष्मकालीन धान की खेती करने वाले कृषक श्री मालती ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन से इस बार 2 एकड़ की भूमि में मक्का फसल की खेती की। जिससे उनको 88,200 रूपये की शुद्ध आमदनी प्राप्त हुई। जो कि धान फसल की तुलना में दोगुनी थी। किसान मालती मोहन ने बताया कि विभाग से संपर्क कर मक्का फसल लेकर खेतों में लगाया एवं उत्पादन पर कुल 11,800 रूपये का खर्च आया, जिसमें खाद, बीज एवं अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं। मक्का की बिक्री से 1 लाख रूपये की आमदनी हुई, जिससे उन्हे 88,200 रू. की शुद्ध मुनाफा मिला। इसके विपरीत गर्मी के मौसम में धान की खेती में ज्यादा लागत और पानी भी अधिक लगता है जिसकी तुलना में लाभ भी कम होता है। कृषक मालती मोहन ने मुख्यमंत्री श्री साय और जिला प्रशासन की सराहना करते हुए धान के स्थान पर अन्य फसलों की खेती के लिए प्रेरित हुए हैं। जिसका फायदा उन्हे मिला। साथ ही इनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई और जल सरंक्षण से पर्यावरण सरंक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

श्रमिक परिवारों के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए समर्पित है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। हम श्रमिक परिवारों के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। आपका स्नेह और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और हम सब मिलकर एक विकसित, समृद्ध और सशक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत कक्षा दसवीं और बारहवीं के टॉप 10 में स्थान पाने वाले पंजीकृत श्रमिकों के 31 मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का वितरण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत राज्य के 38 हजार 200 निर्माण श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत 19.71 करोड़ रूपए से ज्यादा की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने वाले श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सरकार श्रमिक परिवारों की आवश्यकताओं को भली-भांति समझती है और उनके समग्र कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य

कर रही है। उन्होंने कहा कि आज श्रमिक परिवार का बच्चा विदेश जाकर पढ़ना चाहे तो उसके लिए भी 50 लाख रुपए तक की सहायता का प्रावधान श्रम विभाग द्वारा किया गया है। श्री साय ने कहा कि हम नवाचार के साथ कदमताल करते हुए ऐसी नीतियां बना रहे हैं, जिनसे प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिले। प्रदेश की आकर्षक उद्योग नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव राज्य सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। श्री साय ने श्रम मंत्रालय में केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि श्रमिकों से मेरा विशेष लगाव है और श्रमिकों के हित में कार्य करना हमेशा संतुष्टि देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में दो वर्षों तक श्रम मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली थी और उनके नेतृत्व में श्रम राज्यमंत्री के रूप में श्रमिकों के पेंशन सुधार की दिशा में हमने कई ऐतिहासिक कदम उठाए और न्यूनतम पेंशन की राशि सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्रमिकों को लेकर संवेदनशील है और उनके निर्देश पर ही श्रमिकों के प्रोविडेंट फंड (क्स्न) में वर्षों से पड़ी लगभग 27 हजार करोड़ रुपए की अन्क्लेम्ड राशि का उपयोग उनके हित में करने का बड़ा निर्णय भी इस दौरान हमने लिया था। राज्यमंत्री के रूप में यूनिवर्सल पीएफ नंबर की शुरुआत हमारी सरकार ने की, जिससे श्रमिकों द्वारा बार-बार पीएफ राशि क्लेम करने की समस्या दूर हुई। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सभी से आग्रह करते हुए कहा कि श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी अन्य ज़रूरतमंदों तक अवश्य पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इनका लाभ उठा सकें।

बारनवापारा अभयारण्य बंद: 4 माह तक रहेगी खामोशी, अक्टूबर में फिर खुलेंगे द्वार

रायपुर। प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध बारनवापारा अभयारण्य 16 जून 2025 से आगामी 4 महीनों के लिए पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानसून अवधि में वन्यजीवों की सुरक्षा एवं प्रबंधन हेतु यह निर्णय लिया गया है। अभयारण्य आगामी पर्यटक सीजन में 10 अक्टूबर 2025 से पर्यटकों के लिए पुन: खोला जाएगा। वनमंडल अधिकारी गणवीर धम्मशील ने जानकारी दी कि इस मानसून काल का उपयोग संरक्षित क्षेत्र की मरम्मत, सफ़ारी ट्रैक के सुधार और पर्यटकों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस बार सफ़ारी संचालन में स्थानीय बेरोज़गार युवाओं को जोड़ते हुए उन्हें ऋण सहायता के माध्यम से सफ़ारी वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे स्वरोज़गार को बढ़ावा मिलेगा। बारनवापारा अभयारण्य में लेपर्ड सफ़ारी अब भी पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण बना हुआ है। यहाँ पर दुर्लभ प्रजाति के तेंदुए के साथ-साथ गौर, भालू, चीतल और 150 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ देखने को मिलती हैं, जो इसे जैव विविधता प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग बनाती हैं। अभयारण्य प्रबंधन ने पर्यटकों से अनुरोध किया है कि वे वन्यजीवों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस बंद अवधि का सम्मान करें और अक्टूबर से फिर एक बार सजे-धजे बारनवापारा के अनुभव के लिए तैयार रहें।

आतंकवाद के समर्थन से सांसद राजीव शुक्ला का इंकार, कहा- कांग्रेस खुद आतंकवाद का सबसे बड़ी शिकार

रायपुर। कांग्रेस के आतंकवाद को समर्थन दिए जाने से इंकार करते हुए राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि पार्टी ने कभी आतंकवाद का समर्थन नहीं किया. कांग्रेस स्वयं आतंकवाद की सबसे बड़ी शिकार रही है. कांग्रेस ने अपने बड़े-बड़े नेता खोए हैं. कोई अगर कहता है कि कांग्रेस आतंकवाद के साथ है, तो इसके बड़ा मजाक कुछ नहीं. रायपुर पहुंचे बीसीसीआई के अंतरिम अध्यक्ष और कांग्रेस से राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने बताया कि सीसीपीएल (छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग) का आज समापन है, उसमें शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हम लगातार क्रिकेट को बढ़ावा दे रहे हैं. लगातार काम कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ को 2 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच की सौगात मिली है. वहीं 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे से जुड़े सवाल पर राजीव शुक्ला ने कहा कि नक्सलवाद एक ऐसी समस्या है, जिसे सब सरकारें मिलकर लड़ रही हैं. चाहे वह मनमोहन सिंह की सरकार हो, या मोदी की सरकार हो. जब भूपेश बघेल की सरकार थी, तब बहुत कुछ खत्म हुआ है. बहुत कुछ खत्म हुआ, जब केंद्र और राज्य सरकार ने सहयोग किया. उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के सहयोग से मौजूदा सरकार ने जो किया, यह निरंतर चलने वाली गतिविधियां हैं. समाज को समस्याओं के निवारण के लिए, और जो लोग हिंसा में जुड़े हैं, जिनके खिलाफ भी पूर्व सरकारों के द्वारा कार्रवाई की जारी रही है. इसमें भूपेश बघेल की सरकार हो या विष्णुदेव साय की सरकार हो, दोनों ने काम किया है. वहीं तेलंगाना में नक्सलियों से शांतिवार्ता करने को सरकार तैयार है क्या? छत्तीसगढ़ में यह पहल होनी चाहिए? इस सवाल पर सांसद शुक्ला ने कहा कि अगर वह बातचीत करना चाहते हो तो इससे बढ़िया कुछ नहीं है. अगर बातचीत करने को तैयार नहीं है, तो सरकार को सशस्त्र बलों का सहारा लेना पड़ता है. छत्तीसगढ़ सांसद के तौर पर संसद में प्रदेश के मुद्दे उठाए जाने के सवाल पर राजीव शुक्ला ने कहा कि सबसे ज्यादा विषय छत्तीसगढ़ के मैं ही संसद में उठता हूं. आप लगातार प्रश्न देखिए. स्पेशल मेंशन देख लिजिए, जीरो अवर देखिए. जरूरत पड़ती है, उस हिसाब से मैं आता हूं. कहने को कोई भी आलोचना करता रहे.

गांव को सुंदर और स्वच्छ रखने की दिशा में बेहतर कार्य करना होगा - कलेक्टर

जशपुर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनपद सीईओ की समीक्षा बैठक लेकर स्व सहायता समूह का गठन, आजीविका मूलक गतिविधियां, ग्रामीण सचिवालय, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन-मन योजना, सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान स्व सहायता समूह का ज्यादा से ज्यादा गठन कर उनको आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने समूह को बैंक से ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि जो बैंक ऋण देने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं ऐसे बैंक से शासकीय जमा राशि निकालकर कर सहायता प्रदान करने वाले बैंक के खाते में राशि जमा करवाने के निर्देश जनपद सीईओ को दिए हैं। जनपद सीईओ को अपने अपने विकास खंड में बीएल सी सी की सभी बैंकों की बैठक लेकर समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्रामीण सचिवालय ग्राम पंचायतों में सुचारू रूप से संचालित हो रहे है या

गांव में हैंडपंप के पास जल संरक्षण संवर्धन के लिए सोखता गड्ढा बनाएं

नहीं की इसकी भी समीक्षा की और नोडल अधिकारी और अन्य विकास खंड अधिकारी को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। जो अधिकारी ग्रामीण सचिवालय में उपस्थित नहीं रहते हैं उनकी सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा हैं।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ,सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक और सभी जनपद सीईओ, मनरेगा, स्वस्थ भारत मिशन के अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने सभी ग्राम पंचायतों में स्व सहायता समूह के माध्यम से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी विकास खंडों में मॉडल गांव का चयन करके उस गांव में सेरिग्रेशन शेड, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन,हैंडपंप के पास जल संरक्षण संवर्धन के लिए सोखता गड्ढा बनाना है, इसी प्रकार गांव की सभी स्व सहायता समूह की महिलाओं का राशनकार्ड, आयुष्मान कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, श्रम कार्ड अनिवार्य रूप से बनवाने के निर्देश दिए हैं।। गांव के चौक चौराहों का सौन्दर्य करण और मंदिर परिसर को श्रमदान करके गांव को स्वस्थ और सुंदर रखने की दिशा में बेहतर कार्य करना होगा । कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान विकास खंड के अधिकारियों और कर्मचारियों की फिल्ड विजिट की जानकारी ली और सभी को अपने क्षेत्र में हो रहे कार्यों की स्थल निरीक्षण करके रिपोर्ट प्रत्येक सप्ताह देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना और जन-मन योजना की भी समीक्षा किए और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

जिले में पहली बार एग्री -हॉटी क्रेता विक्रेता सम्मेलन 2025 का आयोजन

जशपुरनगर। जिले में किसानों के विकास, कृषि - उद्यान एवं रेशम उत्पाद को बढावा देने कृषि क्रांति अभियान की शुरूआत जिला प्रशासन की पहल से शुरू की गई है, अभियान अंतर्गत जिला जशपुर में पहली बार क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का दो दिवसीय आयोजन जिला पंचायत जशपुर में किया जा रहा है। 28 तथा 29 जून 2025 तक आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस में क्रेता-विक्रेता परिचय एवं फसल विशेष संग्रहण, संरक्षण, प्रसंस्करण एवं कृषि, उद्यानिकी, रेशम एवं वन उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, मापदण्ड एवं नियमों की जानकारी प्रदान की जाने के साथ फसल प्रदर्शनी का आयोजन की जावेगी, तथा द्वितीय दिवस 29 जून.2025 को विभिन्न राज्यों से आये उद्यमियों को किसान के खड़ी फसलों के भ्रमण का कार्यक्रम तय किया गया है। सम्मेलन में जिले के प्रगतिशील कृषक, देश के कई राज्यों की उद्यमी, निर्यातक के विशेषज्ञ, लघु वनोपज संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

जिला प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के कई कृषि संबंद्ध कंपनियों से संपर्क किया गया है, जिसमें अधिक से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधी के भाग लेने की संभावना है। जशपुर जिले में जैविक उत्पादों का बहुत बड़ा बाजार है, तथा जंगल में काफी मात्रा में औषधीय, वन उपज उपलब्ध है जिसके साथ ही जिले में अधिक मात्रा में रेशम पालन की जाती है। इस सम्मेलन के माध्यम से जिले के किसानों को अपने उत्पाद को अधिक मूल्य में बेचने के लिए एक प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है, तथा किसानों को अपने उत्पाद के वर्तमान स्थिति, चुनौती और बाजार को समझने के साथ भविष्य की योजना तैयार करने में मदद मिलेगी, किसान एफपी.ओ. के माध्यम से उत्पाद संग्रहण कर क्रेता कंपनी को विक्रय करेंगे, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। सम्मेलन में नाशपाती, आम फसल कृषकों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जावेगा।

जशपुर के कृषि विकास के इतिहास में साबित होगा मील का पत्थर : मुख्यमंत्री साय

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से कृषि क्रांति अभियान अंतर्गत एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का वर्चुअली शुभारंभ किया। जिला पंचायत में दो दिनों तक चलने वाली इस आयोजन में देश की कई बड़ी कृषि कंपनियां जैसे-जियो मार्ट रिटेल, देहात, हॉनेस्ट फॉर्म, आत्माकुर, धरागरी, अवनी आयुर्वेदा इत्यादि उपस्थित रहेंगे। जिनसे जिले के किसान एफपीओ के माध्यम से अपने उपज का उचित मूल्य प्राप्त होने पर फसल विक्रय एग्रीमेंट कर सकेंगे तथा बिचौलिया प्रथा समाप्त होने से किसानों को अपने उपज का उचित मूल्य प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर के कृषि विकास के इतिहास में आज का दिन मील का पत्थर साबित होने वाला है। जिला प्रशासन के अभिनव प्रयास से च्कृषि क्रांतिज् अभियान की शुरूआत हो रही है। हमारा देश कृषि प्रधान है। छत्तीसगढ़ में लगभग 80 प्रतिशत लोग कृषि और कृषि संबंधी कार्यों से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि सहित कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। हमारी सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए बहुस्तरीय प्रयास कर रही है। चाहे वह समर्थन मूल्य पर 3100 रूपये प्रति क्विंटल के मान से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी हो, समर्थन मूल्य पर वनोपज का संग्रहण हो, या प्रोसेसिंग और निर्यात से जुड़ी

योजनाएं हों। जशपुर में कटहल, आम, लीची, नाशपाती बहुतायत में होती है। यहां पर सेव की भी फसल होने लगी है।इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों और खरीदार कंपनियों के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा। यह एक ऐसा मंच है जहाँ से एफपी.ओ. (किसान उत्पादक संगठन) के माध्यम से किसानों की उपज को सीधा बाजार मिलेगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने सॉइल हेल्थ कार्ड के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि इससे किस जमीन पर क्या उत्पादन ज्यादा होगा और कितना खाद की जरूरत होगी इसके लिए केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक पूरे राज्य में जाकर सॉइल हेल्थ के बारे में लोगों को जागरूक कर रहे हैं। राज्य में कृषि के साथ पशु पालन, मछली पालन और डेयरी विकास को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। डेयरी विकास योजना के पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित 6 जिलों में जशपुर भी शामिल है। रायगढ़ से वर्चुअली जुड़े सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने कहा कि जशपुर जिला का प्राकृतिक वातावरण आकर्षित करने वाला है। जल संरक्षण और संवर्धन के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जल का संरक्षण किया जाना चाहिए इससे किसानों को लाभ मिलेगा और उनकी आमदनी में इजाफा होगा। जिला पंचायत से वर्चुअली जुड़ी विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि जशपुर जिला नवाचार को तेजी से अपना रहा है। इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों और कंपनियों के बीच सीधा अनुबंध होगा और उन्हें लाभ मिलेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय ने अपने संबोधन में कहा कि जिले में व्यस्थित तरीके से खेती और प्रबंधन किया जाय तो किसानों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। जशपुर आम, मिर्च, नाशपाती में अग्रणी है। उन्होंने धान के साथ दलहन और तिलहन की खेती किए जाने के लिए विषय प्रयास लिए जाने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने एग्री-हॉर्टी एक्सपो एवं क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के महत्व और इनसे कृषकों को होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। जिला पंचायत से वर्चुअली जुड़े जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ने एक वीडियो प्रजेंटेशन के माध्यम से सम्मेलन में तहत होने वाले नवाचार और विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस दौरान आईजी श्री दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह बगिया से और जिला पंचायत में वर्चुअली तौर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगा राम भगत सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यों को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा : विजय बघेल

जांजगीर-चांपा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला पंचायत ऑडिटोरियम, जांजगीर में प्रोफेशनल मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के कार्यों को इतिहास स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री बघेल ने कहा कि 2014 के बाद देश की राजनीति की संस्कृति बदली है। मोदी सरकार ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति की शुरुआत की और जवाबदेह शासन की परंपरा को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने तुष्टिकरण और समाज को खंडित कर सत्ता में बने रहने की राजनीति की, जबकि मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ आगे बढ़ी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनु%छेद 370 हटाना, तीन तलाक खत्म करना, नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू करना, महिलाओं को सैनिक स्कूलों और में प्रवेश देना, वक्फ अधिनियम में सुधार और विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33त्न

आरक्षण जैसे कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। यह सब इस बात का प्रमाण है कि अब देश में निर्णय जनहित में और दूरदृष्टि से लिए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में लगातार विभिन्न स्तरों पर सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इन 11 वर्षों ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवा वर्ग और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि देश की राजनीति में यह पहली बार हुआ है कि सत्ता अब सेवा में परिवर्तित हो गई है। सुशासन अब शासन की पहचान बन गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद की राजनीति को खत्म करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार किया गया है।

डिजिटल इंडिया, जीरो टॉलरेंस फॉर करप्शन, पारदर्शिता और न्यूनतम सरकार- अधिकतम शासन जैसे कदमों से भारत ने नई पहचान बनाई है। समाजसेवी चंद्रशेखर देवांगन ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने का कार्य भी मोदी सरकार के कार्यकाल में हुआ है। गवसुधैव कुटुंबकमग, सहिष्णुता और कर्म की भावना जैसे भारतीय मूल्यों को न केवल बढ़ावा मिला है, बल्कि यह वैश्विक मंच पर भी स्थापित हुए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर दीप प्र%वलन कर की गई। इसके पश्चात समाज के विभिन्न वर्गों से आए प्रबुद्ध जनों का स्वागत किया गया।

जब उम्मीद की डोर थमने लगी मुख्यमंत्री बने संबल

मुख्यमंत्री की मदद बनी शालू के सपनों की सीढ़ी

मुख्यमंत्री साय ने अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टबॉल खिलाड़ी शालू डहरिया को दी वीडियो कॉल पर शुभकामनाएं

रायपुर। की बेटी और 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी सॉफ्टबॉल खिलाड़ी शालू डहरिया के चेहरे पर उस वक्त मुस्कान की लहर दौड़ गई, जब स्वयं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उन्हें वीडियो कॉल कर न सिर्फ शुभकामनाएं दीं, बल्कि उनके सपने को पूरा करने के लिए जरूरी आर्थिक मदद भी प्रदान किया । शालू डहरिया का चयन 14 से 20 जुलाई, 2025 को चीन के सिआन में होने वाली एशिया यूथ सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।छत्तीसगढ़ से इस ओपन टूर्नामेंट के लिए केवल दो महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिनमें शालू डहरिया भी शामिल हैं। लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भागीदारी के लिए आवश्यक ?1.70 लाख की फीस उनके लिए एक बड़ी बाधा बन गई थी। आर्थिक रूप से साधारण परिवार से आने वाली शालू के पिता प्राइवेट सुरक्षा गार्ड हैं और माँ एक छोटे से ब्यूटी पार्लर का संचालन करती हैं। बावजूद इसके शालू ने आठवीं कक्षा से सॉफ्टबॉल खेलना शुरू किया और अब तक एक गोल्ड मेडल सहित 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने शालू डहरिया को वीडियो कॉल कर कहा 卐बेटी, तुम आगे बढ़ोज् हम सब तुम्हारे साथ हैं। छत्तीसगढ़ को तुम पर गर्व है। अच्छा खेलो, मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं। देश और प्रदेश का नाम रोशन करो।ज्ञ मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार बेटियों को केवल प्रोत्साहित नहीं करती, बल्कि ज़रूरत पड़ने पर उनके सपनों को पंख देने के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशानिर्देश पर त्वरित अमल करते हुए जांजगीर चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने शालू को ?1.70 लाख की सहायता राशि का चेक सौंपा और प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। शालू की माता श्रीमती अल्का डहरिया ने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी की संवेदनशील पहल और आर्थिक सहायता से मेरी बेटी को अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने गजरथ यात्रा को दिखाई हरी झंडी

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर में एक अभिनव पहल च्गजरथ यात्राच्च् को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा का उद्देश्य मानव-हाथी द्वंद को रोकना और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। गजरथ यात्रा राज्य भर के स्कूलों और ग्राम पंचायतों में भ्रमण करेगी, जहां लोगों को हाथियों के व्यवहार, उनके संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि च्मानव और हाथियों के बीच बढ़ते टकराव को रोकने के लिए हमें जनसहभागिता और जागरूकता की जरूरत है। यह यात्रा लोगों को शिक्षित करने का माध्यम बनेगी।च्च् यह पहल राज्य में मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ने हाथी मानव द्वंद को रूकने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित किया इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा, पूर्व सांसद रणविजय सिंह जूदेव, पद्मश्री जागेश्वर राम यादव, जशपुर विधायक रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, राज्य के सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, माटीकला बोर्ड, शंभूनाथ चक्रवर्ती, नगरपालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गे, आईजी दीपक झा, कलेक्टर रोहित व्यास, एसएसपी शशि मोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, स्कूली बच्चे और योग संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नवसंकल्प के 36 छात्र एसएससी जीडी परीक्षा में हुए उत्तीर्ण

जशपुरनगर। /कलेक्टर श्री रोहित व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में जिला खनिज न्यास अंतर्गत संचालित नवसंकल्प शिक्षण संस्थान के 36 छात्रों ने स्टाफ सिलेक्शन कमीशन द्वारा आयोजित एसएससी जीडी की लिखित परीक्षा पास कर जिले का मान बढाया है। 36 छात्रों में 5 छात्राएं भी शामिल हैं। सभी सफल छात्र-छात्राएं नवसंकल्प के एसएससी जीडी बैच के छात्र हैं जिन्होंने हॉस्टल की आवासीय सुविधा में रह कर सिर्फ4 महीने के कोचिंग और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता प्राप्त की है। सभी छात्र परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद फिजिकल 5 किमी दौड़ और 1600 मी दौड़ के साथ मेडिकल के लिए क्वालीफाई हो गये हैं, फिजिकल और मेडिकल के पश्चात यह सभी छात्र भारत के विभिन्न अर्धसैनिक बल जैसे बीएसएफ, सीआरपीएफ, असम राइफल्स, एसएसएफ, एनसीबी, सीआईएसएफ आदि में सैनिक के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। प्राचार्य नवसंकल्प डॉ. ए.के. श्रीवास्तव ने बताया की सभी छात्रों को 4 महीने की कोचिंग के दौरान रहने, खाने सहित प्रतिदिन 5 क्लास, साप्ताहिक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन टेस्ट, क्विज, करेंट अफेयर्स मैगज़ीन, ग्रुप डिस्कशन आदि के माध्यम से परीक्षा हेतु तैयार किया गया। कोचिंग के दौरान तैयारी को परीक्षा के प्रकृति के हिसाब से डिजाईन किया गया था, इन्ही प्रयासों का नतीजा है की लगातार दुसरे वर्ष भी नवसंकल्प के छात्रों ने एसएससी जैसी केन्द्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता के झंडे गाड़े हैं। वर्ष 2024 में भी संस्थान से कुल 24 छात्रों ने यह परीक्षा पास की थी। सभी सफल अभ्यर्थियों के लिए अब शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं मेडिकल राउंड के तैयारी के लिए भी संस्थान में जल्द ही प्रारंभ की जायेगी। उर्तीण हुए छात्रों में आशीर्वाद भारतेंदु, बालेश्वर, बिन्देश्वर, फ्रांसिस तिग्गा, सलीम खाखा, ओंकार साय, अरविन्द केरकेट्टा, रोहित केरकेट्टा, विमल, संदीप साय, नेहरु लाल, विनोद मिंज, नितेश एक्का, संदीप कालो, अनुज केरकेट्टा, मनीष मिंज, प्रदोन खलखो, अरुण पैंकरा, संतोष एक्का, निलेश पैंकरा, बादल सोरेन, सक्रांत भगत,नितेश फुलेश्री, माया सागर, नोवेल टोप्पो, अनिश खलखो, अजय तिर्की, प्रमोद साय, अस्मिन टोप्पो, एस. प्रधान, अरुण भगत, सविता भगत, दीपा सिदार, अमीना, श्रिस्टी और रचना कछुच्य शामिल हैं। संस्थान के अब तक के वर्षों में एसएससी जीडी का सर्वोत्तम रिजल्ट है साथ ही यह उपलब्धि की बात है की सफल अभ्यर्थियों में 5 छात्राएं भी शामिल हैं और अब जिले की ये बेटियाँ भी देश की सीमाओं में जा कर कार्य करेंगी। ख़ास बात यह रही की सफल छात्रों में भाई बहन की जोड़ी ने एक साथ यह परीक्षा पास की है अमीना एवं बिन्देश्वर सफल अभ्यर्थियों के ऐसे कई छात्र शामिल हैं।

कौशल्या धाम में जल्द बदलेगी भगवान राम की प्रतिमा

रायपुर. प्रभु श्रीराम के ननिहाल चंदखुरी स्थित कौशल्या माता धाम में जल्द भगवान राम की 51 फीट की नई प्रतिमा लगेगी. भगवान राम की प्रतिमा एक हफ्ते में ग्वालियर से छत्तीसगढ़ आ जाएगी. यह प्रतिमा सैंड स्टोन से बनी है, जो 3 फेस में तैयार हुई है. चंदखुरी में लगने वाली भगवार राम की भव्य प्रतिमा को ग्वालियर के मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा अंतिम रूप दे रहे हैं. उन्होंने बताया कि पिछले दिनों पेमेंट नहीं होने के चलते काम को रोक दिया गया था. अब प्रतिमा का काम अंतिम चरणों में है. जल्द इस प्रतिमा को छत्तीसगढ़ पहुंचा दी जाएगी. ग्वालियर के मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा ने बताया कि हफ्तेभर में मूर्ति ग्वालियर से छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हो जाएगी. करीब 22 से 25 लोगों की टीम ने मिलकर भगवान राम की मूर्ति को तैयार किया है. मूर्ति के अलग-अलग हिस्से को ट्रेलर के माध्यम से ले जाया जाएगा और सभी हिस्से को चंदखुरी पहुंचने के बाद वहां एक साथ जोड़कर स्थापित किया जाएगा. इस मूर्ति में करीब 72 से 74 लाख रुपयों का खर्चा आ चुका है. छत्तीसगढ़ में चंदखुरी को भगवान श्री राम का ननिहाल कहा जाता है. यहां कौशल्या माता का एक प्राचीन मंदिर है, जिसे 10वीं शताब्दी में बनाया गया था. कौशल्या माता मंदिर में मौजूद माता की प्रतिमा भी अद्भुत है. यहां माता कौशल्या श्रीराम को गोद में लिए हुए हैं. यह पूरे देश में कौशल्या माता का इकलौता मंदिर है. यह मंदिर तालाब के बीचों बीच बना हुआ है और आसपास जहां तक देखें वहां खूबसूरत दृश्य ही दिखाई देता है. छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 25 किलोमीटर दूर चंदखुरी गांव में स्थित माता कौशल्या के प्राचीन मंदिर का नवनिर्माण किया गया था. अक्टूबर 2021 में यहां भगवान श्रीराम की 51 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई थी. इस प्रतिमा की स्थापना कांग्रेस शासनकाल में की गई थी, लेकिन इसके बाद भाजपा के नेताओं ने प्रतिमा के मुख और आकृति को लेकर आपत्ति जताई थी. भाजपा नेताओं का आरोप था कि इस प्रतिमा को जल्दबाजी में तैयार करके स्थापित किया गया है. भाजपा के सत्ता में आने के बाद पूर्व तत्कालीन धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने घोषणा की थी कि भगवार राम की प्रतिमा को हटाकर नई प्रतिमा स्थापित की जाएगी.

भगवान बिरसा मुंडा की 125 वीं पुण्यतिथि जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न

जशपुर । भगवान बिरसा मुंडा की 125 वीं पुण्यतिथि पर मुंडा समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत शामिल हुई,यहां भगवान विधि विधान से भगवान बिरसा मुंडा का पूजा अर्चना कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया गया।ज्ञात हो कि जशपुर के भागपुर में मुंडा समाज द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 125 वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन रखा गया।इस कार्यक्रम में जशपुर विधायक मुख्य अतिथि के रूप में जबकि अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री योगेश बापट,नगरपालिका अध्यक्ष अरविंद भगत मुंडा समाज के प्रदेश अध्यक्ष शंकर राम बालाजी,महेंद्र कुमार मुंडा,श्रीमती रीना बालाजी,आशुतोष राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ समाज के रीति रिवाज के अनुसार पूजा अर्चना कर किया गया।जिसके बाद भगवान बिरसा मुंडा के जीवनी पर प्रकाश डालते हुवे जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने भगवान बिरसा मुंडा के बातों का अनुशरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने अपील किया।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर भाजपा ने मनाया संविधान हत्या दिवस

कांग्रेस के काले इतिहास की खोली गई पोल

जशपुर। 25 जून को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला दिन है, जब 1975 में कांग्रेस सरकार ने देश पर आपातकाल थोपकर न केवल संविधान की हत्या की थी, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था का गला घोंट दिया था। इसी अवसर पर भाजपा जशपुर द्वारा सनातन धर्मशाला कांसाबेल में संविधान हत्या दिवसज्ज् के रूप में आपातकाल की 50वीं बरसी मनाई गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष भरत सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक रायमुनी भगत, वरिष्ठ भाजपा नेता जगन्नाथ पाणिग्रही, माटीकला बोर्ड अध्यक्ष शम्भूनाथ चक्रवर्ती, और मीसाबंदी सेनानी विश्वनाथ सिंह मंचासीन रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कांग्रेस ने सत्ता बचाने के लिए देश की आत्मा को रौंद दिया। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में लोकतंत्र को कैद किया गया, लाखों लोगों को जेल में ठूंसा गया, प्रेस पर ताले जड़ दिए गए। आज के युवा पीढ़ी को उस अधिनायकवाद की सच्चाई जाननी चाहिए। विधायक रायमुनी भगत ने कहा कांग्रेस की तानाशाही प्रवृत्ति ने यह सिद्ध किया कि उनके लिए संविधान केवल सत्ता का औजार है। भाजपा ही आज सच्चे अर्थों में संविधान की रक्षक है। आपातकाल कांग्रेस की मानसिकता का असली चेहरा है। जिलाध्यक्ष भरत सिंह ने तीखा हमला बोलते हुए कहा देश को झुकाने वालों को जनता ने नकार दिया है। जो आज संविधान की दुहाई देते हैं, वही लोग एक दौर में उसे कुचल चुके हैं। यह मत भूलिए कि कांग्रेस का इतिहास विश्वासघात और दमन का इतिहास है।

दंतेवाड़ा में बनेगा कोल्ड स्टोरेज

लंबे समय तक सामान नहीं होगा खराब, किसानों को मिलेगा लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में कोल्ड स्टोरेज की शुरुआत की जा रही है। जिससे खेती और जंगल से मिलने वाली उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने और किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य दिलाने के लिए एक बड़ी शुरुआत की जा रही है। जिले के पातररास गांव में केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से पहली बार एक ऐसा आधुनिक केंद्र बनाया जा रहा है जहां कोल्ड स्टोरेज, खाद्यान्न और वनोपज को खराब होने से बचाने के लिए रेडिएशन जैसी तकनीक का इस्तेमाल होगा। यह कार्य प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत हो रहा है। यह पूरे देश में सरकारी स्तर पर बनने वाली अपनी तरह की पहली सुविधा है। इस परियोजना से बस्तर की तस्वीर बदलेगी। बस्तर क्षेत्र में इमली, महुआ, जंगली आम, देशी मसाले और मोटे अनाज जैसे बाजरा जैसी उपज होती है। लेकिन सही तरीके से उन्हें संरक्षित रखने और बेचने की सुविधा नहीं होने से हर साल 7 से 20 प्रतिशत उपज खराब हो जाती है। अब जो सुविधा बन रही है, उसमें कोल्ड स्टोरेज, फ्रीजर, रेडिएशन मशीन, और सामान ढोने के लिए बड़े ट्रक होंगे। इससे ये चीजें लम्बे समय तक सुरक्षित रखी जा सकेंगी। उत्पादों का टिकाऊपन बढ़ेगा,

बर्बादी रुकेगी और किसानों को ज्यादा दाम मिलेंगे। इस परियोजना की लागत करीब 25 करोड़ रुपये है और इसे जिला परियोजना आजीविका कॉलेज सोसायटी चला रही है। यह संस्था खासतौर पर आदिवासी इलाकों में रोजगार बढ़ाने के लिए बनी है। पातररास गांव में बनने वाली इस परियोजना में 1500 मीट्रिक टन की क्षमता वाला कोल्ड स्टोरेज, 1000 मीट्रिक टन का फ्रोजन स्टोरेज, 5 छोटे-छोटे कोल्ड रूम,फलों को जल्दी ठंडा करने के लिए ब्लास्ट फ्रीजर,पकने वाली चीजों के लिए अलग चौंबर,रेडिएशन मशीन जिससे चीजें लंबे समय तक खराब न हों, सामान ले जाने वाले 3 बड़े ट्रक तथा बिजली बचाने के लिए 70 किलोवॉट का सोलर सिस्टम लगेगा। यह सुविधा हर साल 10 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा उपज को सुरक्षित रखने में मददगार साबित होगी। इसका फायदा दंतेवाड़ा के अलावा बस्तर, बीजापुर, सुकमा, कोंडागांव और नारायणपुर जैसे जिलों के किसानों और वनोपज संग्राहकों को मिलेगा। इस परियोजना के लिए 10 करोड़ रुपये केंद्र सरकार की योजना से और 14.98 करोड़ रुपये जिला खनिज निधि से व्यय किये जायेंगे। अब तक इस तरह की प्रोजेक्ट के ज्यादातर काम निजी कंपनियों ने किए हैं, लेकिन पहली बार सरकार खुद ऐसी सुविधा बना रही है, जिससे आदिवासी इलाकों में सरकारी योजनाओं के भरोसे को भी मजबूती मिलेगी। इस सुविधा से प्रतिवर्ष लगभग 8.5 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। इसका सीधा फायदा किसानों, वनोपज संग्रहणकर्ताओं और स्थानीय युवाओं को मिलेगा, क्योंकि यहां काम करने के लिए लोगों की जरूरत होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा और कई लोगों को अपने गांव में ही रोजगार मिल सकेगा। यह पहल वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों में स्थायी रोजगार और शांति की दिशा में भी मददगार साबित होगी।

शरारती तत्वों ने घर के बाहर खड़ी बाइक को किया आग के हवाले

रायपुर। एकता गली आमापारा के पास खड़ी बाइक को अज्ञात व्यक्ति ने अइग के हवाले कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर आजाद चौक थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रार्थिया श्यामा देवी यादव 45 वर्ष एकता गली आमापारा निगम कालोनी आजाद चौक की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थिया के लड़के के बाइक क्रमांक सीजी 04 एनक्यू 5915 को आग के हवाले कर दिया। जिससे 45 हजार रुपए का नुकसान हुआ। प्रार्थिया की शिकायत पर आजाद चौक पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

घर से नकदी सहित हजारों रुपए के सामान पार

रायपुर। चंदन किराना स्टोर्स के पास संतोषी नगर स्थित मकान से अज्ञात चोर ने नकदी 12 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया जानकी सोनी 50 वर्ष चंदन किराना स्टोर्स के पास संतोषी नगर टिकरापारा की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके घर के खुले दरवाजे से प्रवेश कर आलमारी में रखे नकदी 12 हजार, सोने-चांदी के जेवर व 2 नग मोबाइल पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब 50 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

आंबेडकर अस्पताल का कमालः दुर्लभ बेनाइन ट्यूमर की सर्जरी, दुनियाभर में इसके सिर्फ 200 केस

रायपुर। आंबेडकर अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग में पचास वर्षीय मरीज की दुर्लभ बेनाइन ट्यूमर सिस्टिक लिम्फेंजियोमा ऑफ़ रेट्रोपेरिटोनियम की सफल सर्जरी की गई है। चिकित्सकों का दावा है कि अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल

रिपोर्ट्स के मुताबिक दुनियाभर में इसके अब तक केवल 200 केस सामने आए हैं। विभागीय डाक्टरों की टीम ने पांच घंटे लंबे ऑपरेशन के बाद पेट के पिछले हिस्से में चिपके तीन ट्यूमर को बाहर निकाला। इस सर्जरी में जोखिम काफी था, जिसकी वजह से कई अस्पतालों द्वारा मरीज को लौटाया जा चुका था। चिकित्सकों के अनुसार, यह ट्यूमर शरीर की प्रमुख रक्त वाहिनियों से चिपका हुआ था। सर्जरी में तीन ट्यूमर बाहर निकले, जिसमें सबसे बड़े ट्यूमर का आकार 25 बाई 20 सेमी. था। सिस्टिक लिम्फेंजिओमा ऑफ रेट्रोपेरिटोनियम एक दुर्लभ और नरम ट्यूमर होता है, जो लुसीका वाहिनियों की असामान्य वृद्धि के कारण बनता है और यह पेट के पीछे की जगह में विकसित होता है, जिससे पेट में सूजन या गांठ, पेट दर्द और पाचन समस्याएं होती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता ने बताया कि भिलाई में रहने वाला 50 वर्षीय मरीज अपनी समस्या लेकर यहां आया था। जांच के बाद इस बीमारी का पता चला, सर्जरी बेहद जटिल थी, क्योंकि ट्यूमर शरीर की कई मुख्य रक्त नलिकाओं से चिपका हुआ था। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने बताया कि यह मध्यभारत का पहला शासकीय चिकित्सा संस्थान है,जहां एमसीएच सर्जिकल ओन्कोलॉजी का सरोकार विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में तीन एमसीएच रेजिडेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ज्वाइन कर चुके हैं। इस पाठ्यक्रम के प्रारंभ होने से कैंसर के ऐसे मरीज जिनके लिए शल्य क्रिया आवश्यक है, उन्हें बेहतर सुविधाए मिल रही हैं। डॉ. आशुतोष गुप्ता के अनुसार, सिस्टिक लिम्फेंजियोमा ऑफ़ रेट्रोपेरिटोनियम एक बहुत ही दुर्लभ बेनाइन ट्यूमर है, जो शरीर के लिम्फैटिक सिस्टम से विकसित होता है। इसके दोबारा होने और ऑपरेशन के बाद जटिलताएं बढ़ने की संभावना अधिक होती है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को घर-घर तक पहुंचाने की संकल्पना हो रही है पूरी : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा का वर्चुअल शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। उनकी प्रेरणा से प्रदेश के घर-घर को सहकारिता से जोड़ने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। श्री साय ने कहा कि नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में हमने दुधारू पशु वितरण का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश के 6 जिलों का चयन कर हितग्राहियों को दो-दो दुधारू गाय वितरित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश के किसानों और ग्रामीण जनों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की एक बड़ी पहल हमने इस वर्ष पंचायती राज दिवस से प्रारंभ की है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले गए हैं, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत भवन में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि अगले पंचायती राज दिवस तक यह सुविधा प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध हो जाएगी, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान सहकारिता के क्षेत्र में हुए बड़े बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री

सिंह ने किसानों को अल्पकालिक ऋण के लिए भारी-भरकम ब्याज दर से मुक्ति दिलाई और ब्याज दरों को लगातार कम कर किसानों को राहत दी। अब किसानों को कृषि कार्यों के लिए बिना किसी ब्याज के अल्पकालिक ऋण उपलब्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नई शाखा खुलने पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि अब किसानों को बैंकिंग सुविधा के लिए 50-60 किलोमीटर दूर पत्थलगांव नहीं जाना पड़ेगा। इस पुनीत पहल के लिए उन्होंने सहकारिता विभाग को साधुवाद दिया।

बृजमोहन अग्रवाल का संसदीय अध्ययन दौरा खेल-शिक्षा को लेकर दिए अहम सुझाव

रायपुर। रायपुर सांसद व संसद की शिक्षा, महिला,

बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति के सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने भुवनेश्वर में आयोजित संसदीय अध्ययन दौरे में सक्रिय भागीदारी निभाई। दौरे के दौरान उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता जैसे अहम मुद्दों पर गहराई से विचार-विमर्श किया। सांसद अग्रवाल ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ CSR फंडिंग के माध्यम से खेलों के प्रोत्साहन विषय पर आयोजित बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में भारत सरकार के खेल मंत्रालय, ओडिशा सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों - SBI, BOB, PNB और BOI - के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उन्होंने खेल सुविधाओं के लिए संसाधनों की उपलब्धता और निजी क्षेत्र की भूमिका पर चर्चा की।

हाईकोर्ट का अहम फैसला, अविवाहित बेटी की संपत्ति पर नहीं हो सकता दत्तक पिता का अधिकार, याचिका खारिज

बिलासपुर. अविवाहित पुत्री की मृत्यु होने पर उसकी संपत्ति पर अधिकार को लेकर दत्तक पिता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए जस्टिस एनके व्यास के सिंगल बेंच ने कहा कि दत्तक पिता को अविवाहित पुत्री की संपत्ति का उत्तराधिकारी नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि दत्तक पुत्री के दस्तावेजों के नामिनी होने के आधार पर उसे उत्तराधिकारी नहीं माना जा सकता है और ना ही यह पर्याप्त है। दत्तक पिता अविवाहित पुत्री की बैंक, बीमा या अन्य चल अचल संपत्ति का उत्तराधिकारी नहीं हो सकता। दरअसल रायगढ़ जिला के पुसौर निवासी खितिभूषण पटेल के छोटे भाई पंचराम पटेल पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद में कार्यरत था। उसकी शादी 1987 को फुलकुमारी पटेल के साथ हुई थी। इससे एक पुत्री कुमारी ज्योति पटेल का जन्म हुआ। 7 मई 1993 को पत्नी फुलकुमारी ससुराल छोड़कर चली गई। पुत्री ज्योति अपने दादा कमलधर के साथ रहती थी। 26 जून 1999 को सेवाकाल के दौरान पंचराम पटेल की मृत्यु हो गई। इसके बाद दादा कमलधर पटेल का भी निधन हो गया। इसके बाद पंचराम के बड़े भाई अपीलकर्ता खितिभूषण ने ज्योति पटेल को पुत्री के रूप में विधिवत गोद लिया एवं अपने साथ रख भरण पोषण, शिक्षा व पूरा लालन पालन किया। ज्योति पटेल को पुलिस विभाग में अनुकंपा नियुक्ति मिली। दुर्भाग्यवश 17 सितंबर 2014 को अविवाहित अवस्था में ज्योति की मृत्यु हो गई। मृतक दत्तक पुत्री के सभी बैंक, बीमा पॉलिसी एवं अन्य दस्तावेज में दत्तक पिता ही नामनी है। बेटी की मौत के बाद उसके खाते में जमा राशि प्राप्त करने दत्तक पिता ने सिविल न्यायालय में आवेदन पेश किया था। आवेदन निरस्त होने के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में अपील पेश की थी। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, नामित व्यक्ति बीमा कंपनी द्वारा जारी पॉलिसी के तहत राशि या बैंक में बचत खाते या सावधि जमा रसीद में जमा राशि प्राप्त करने का हकदार है, लेकिन उनका वितरण उनके उत्तराधिकार कानून के अनुसार होगा।

नारायणपुर के 10 बिस्तर अस्पताल में नहीं है एक भी एमबीबीएस डॉक्टर

नारायणपुर । कुनकुरी विकासखंड के सबसे बड़े ग्राम पंचायत नारायणपुर के 10 बिस्तर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं हैं। यह अस्पताल एक एमबीबीएस डॉक्टर को तरस रहा है। अस्पताल में मरीजों की लाइन लगी रहती है। मरीजों के उपचार के लिए दो आरएमए की पदस्थापना कर दी गई है। नारायणपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत एक बार फिर से बिगड़ने लगी है। कुछ साल पहले से संचालित स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सुविधा में बढ़ोतरी और एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति से चंद वर्षों के लिए कुछ राहत जरूर मिली थी, परन्तु एमबीबीएस डॉक्टर को बगीचा अटैच कर बीएमओ बनाने के बाद एक बार फिर से व्यवस्था पुराने ढर्रे पर लौट आई है। स्थिति यह है कि जरूरत पड़ने पर आसपास के मरीजों को 25 से 30 किमी दूर कुनकुरी जा कर अपना इलाज करना पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवा में बढ़ोतरी होने की बजाए और कटौती की जाने लगी है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। आज स्थिति यह है कि नारायणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एमबीबीएस चिकित्सक को अटैच के बाद पद रिक्त है। अटैच के बाद नहीं मिला एमबीबीएस चिकित्सक आरएमए के

निरंजन मोहंती

एमबीबीएस डॉक्टर को तरस रहा दर्जनों गांव का एकमात्र अस्पताल

भरोसे क्षेत्र का सबसे बड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चल रहा है। अस्पताल में पदस्थ एकमात्र एमबीबीएस डॉक्टर को अटैच कर बगीचा बीएमओ बना दिया गया है, लेकिन उनके स्थान पर कोई भरपाई नहीं की गई। अब आरएमए के भरोसे यह अस्पताल संचालित है । नारायणपुर के 10 बिस्तर अस्पताल पर सिर्फ नारायणपुर ही नहीं बल्कि आसपास के दर्जनों गांव के ग्रामीण आश्रित हैं। क्षेत्रीय ग्रामीण व जनप्रतिनिधियों द्वारा इस अस्पताल के लिए एमबीबीएस डॉक्टर की मांग लंबे अरसे से की जा रही है। पर अब तक एक भी डॉक्टर की पदस्थापना नहीं की गई है। आरएमए के भरोसे अस्पताल चल रहा है। बता दें कि आरएमए स्वास्थ्य विभाग का ऐसे कर्मचारी होतें हैं जो कि डॉक्टरों के सहायक होते हैं और सिर्फ मामूली बीमारियों जैसे सर्दी-जुकाम, बुखार आदि की दवाएं दे सकते हैं। यहां

दुर्घटना के मरीजों को नहीं मिल पाता तत्काल राहत

डॉक्टर की कमी के कारण दुर्घटना में घायल मरीजों को इस अस्पताल में राहत नहीं मिल पाती है। सड़क दुर्घटना के मामलों के लिए इस अस्पताल की गिनती ही नहीं की जाती है। बीते वर्षों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जब सड़क हादसे में घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया है और मरीज को देखकर आरएमए के द्वारा स्थिति को देखते हुए मरीज को कुनकुरी ले जाने की सलाह दे दी जाती है। नारायणपुर के आदिवासी क्षेत्र का एकमात्र अस्पताल एमबीबीएस डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है। यह अस्पताल क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, लेकिन डॉक्टरों की कमी के कारण यह अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहा है।आदिवासी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पहले से ही चुनौतीपूर्ण है, और नारायणपुर का यह अस्पताल इस चुनौती का एक उदाहरण है। यहां एमबीबीएस डॉक्टरों की कमी के कारण, न केवल सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो रही हैं, बल्कि आपातकालीन चिकित्सा और गंभीर बीमारियों के इलाज

विश्व रक्तदाता दिवस पर आरोग्य मेलों में लोगों ने ली रक्तदान की शपथ

रायपुर । विश्व रक्तदाता दिवस पर छत्तीसगढ़ के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित साप्ताहिक आरोग्य मेलों के माध्यम से रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने बुधवार को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर के 3807 आरोग्य मेलों में 46 हज़ार से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच करायी जिसमे करीब 10 हजार से अधिक नागरिकों ने रक्तदान की शपथ ली तथा यह संकल्प दोहराया कि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी जरूरतमंद को समय पर रक्तदान कर जीवन बचाने में योगदान देंगे। इस वर्ष की थीम के अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रक्तदान पंजीकरण, शपथ समारोह, जागरूकता रैलियाँ एवं रक्तदाता सम्मान जैसे आयोजन संपन्न हुए। ग्राम पंचायतों में सरपंचों के मार्गदर्शन में भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे यह जनसहभागिता गाँव-गाँव तक पहुँची। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पोस्टर प्रदर्शनी, रक्तदान प्रेरणा रैली तथा आदर्श रक्तदाताओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे मानवीय सेवा का पर्व बना दिया। विभाग द्वारा बताया कि यह सामाजिक चेतना और सेवा भाव का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य है कि रक्तदान को हर जिले, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर जीवनदायिनी पहल के रूप में स्थापित किया जाए।ज्ज् प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इसे एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है।

अब हिंदी में कर सकेंगे एमबीए: मातृभाषा में सीखने के इच्छुक छात्रों के लिए संचालित होगा पाठ्यक्रम

रायपुर। ऐसे छात्र जो इंग्लिश नहीं आने के कारण एमबीए नहीं कर पाते हैं, उनके लिए हिंदी में पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत समावेशी शिक्षा की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने अपने प्रमुख एमबीए प्रोग्राम को अब हिंदी में भी शुरू कर दिया है। इसके पहले उड़िया सहित कुछ अन्य स्थानीय भाषाओं में भी इसे शुरू किया जा चुका है। इग्नू के मुताबिक, नेशनल एजूकेशन पॉलिसी के उद्देश्यों के अनुरूप है। बहुभाषी पाठ्यक्रम का संचालन और प्रोफेशनल कोर्स को अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचाने के लिए यह प्रयोग किया जा रहा है। इग्नू का कहना है कि, इस प्रयोग का उद्देश्य मैनेजमेंट एजुकेशन को उन स्टूडेंट्स के लिए ज्यादा आसान बनाना है, जो अपनी मातृभाषाओं में सीखने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं। नई भाषा में पाठ्यक्रम को लॉन्च करने के बाद इग्नू को उम्मीद है कि नॉन इंग्लिश लैंग्वेज बैकग्राउंड के कैंडिडेट्स के लिए प्रोफेशनल स्टडीज कम डरावना और ज्यादा समझने योग्य हो जाएगा। इग्नू की जून 2025 की सत्रांत परीक्षाएं 12 जून से 19 जुलाई तक आयोजित होंगी। परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक चलेगी। परीक्षार्थी अपना हॉल टिकट इग्नू की वेबसाइट 222.द्बद्दठ्ठशह्व.ड्डष्.द्बठ्ठ से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्र पर हॉल टिकट और पहचान पत्र (आधार कार्ड या पैन कार्ड) लाना अनिवार्य है। परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच और ब्लूटूथ डिवाइस जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। सरकार की ई-कुंभ पहल के तहत यह प्रोग्राम इग्नू और ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन के बीच साझेदारी से बढ़ रहा है। एजूकेशनल कंटेंट का हिंदी में अनुवाद 'अनुवादिनी' नामक एक एआई-बेस्ड टूल का इस्तेमाल करके किया गया है, जिसे एआईसीटीई ने एजूकेशनल कंटेंट के लोकलाइजेशन के लिए विकसित किया है। एआईसीटीई के अनुसार, भविष्य में 10 अन्य भारतीय भाषाओं में एमबीए कंटेंट लॉन्च करने की योजनाओं का खुलासा किया। मल्टिलिंगुअल एमबीए पहल यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है कि कोई भी इच्छुक प्रोफेशनल पीछे न छूटे, चाहे उनका भाषाई बैकग्राउंड कुछ भी हो।

सरकारी कर्मचारियों के लिए 'कुंडली' ऐप लॉन्च

सेवानिवृत्ति, पदोन्नति और वेतन विसंगति में नहीं होगी परेशानी, जीपीएफ का होगा त्वरित भुगतान

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने कर्मचारियों के लिए 'कुंडली' मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इससे प्रदेश के लगभग 4 लाख सरकारी कर्मचारियों की सीआर के लिए अब फाइलें पलटने का झंझट समाप्त हो गया है। कर्मचारियों की प्रोफाइल अब एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल ऐप पर अपडेट की जाएगी। इससे सेवानिवृत्ति, पदोन्नति, वेतन विसंगति आदि के समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। नई व्यवस्था के अनुसार, अब कर्मचारियों की प्रोफाइल को कार्मिक संपदा पोर्टल पर लोड और अपडेट करना अनिवार्य होगा। इसके लिए एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल विकसित किए गए हैं। संचालनालय कोष एवं लेखा की इस नई व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। प्रदेश में 2019 से कार्मिक संपदा मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है लेकिन यह नवीन डिजिटल प्लेटफॉर्म कर्मचारियों को उनकी व्यक्तिगत और सेवा संबंधी जानकारी त्वरित व सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराएगा। संचालक कोष एवं लेखा रितेश अग्रवाल ने कहा कि, यह पाया गया है कि कार्मिक संपदा पोर्टल पर अधिकांश कर्मचारी अपनी जानकारी अपडेट नहीं

करते हैं जिसके कारण सेवानिवृत्ति के समय उन्हें अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कार्मिक संपदा मॉड्यूल में व्यक्तिगत जानकारी अपडेट करने की जिम्मेदारी कार्यालय प्रमुख की होती है, लेकिन इसमें समय लगने के कारण असुविधाएँ उत्पन्न होती हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप विकसित किया गया है। अब सेवा संबंधी जानकारी, नामिनी परिवर्तन, बैंक खाता परिवर्तन आदि के लिए कार्यालय प्रमुख पर निर्भरता नहीं रहेगी। जिससे अनावश्यक विलंब की स्थिति में भी कमी आएगी। स्थानांतरण, वेतन निर्धारण, पदोन्नति और अन्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और प्रगति सुनिश्चित होगी। साथ ही सेवा के दौरान और सेवानिवृत्ति उपरांत मिलने वाले लाभ जैसे पेंशन, जीपीएफ, उपादान, अवकाश नगदीकरण आदि प्रकरणों का शीघ्र निराकरण संभव होगा, क्योंकि संबंधित डेटा अद्यतन रहेगा। कर्मचारियों से प्राप्त सेवा संबंधी आवेदनों का निपटारा सक्षम अधिकारी समयबद्ध तरीके से कर सकेंगे। मॉड्यूल के अद्यतन होने से वेतन विसंगति से जुड़ी समस्याएँ कम होंगी। कर्मचारी एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप या वेब एप्लिकेशन पर लॉगइन कर जानकारी स्वयं अपडेट कर सकते हैं।

शासकीय कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति उपरांत महालेखाकार कार्यालय में अंतिम जीपीएफ दावा को ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करने की व्यवस्था भी तैयार की गई है। इससे दावे के निराकरण में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन जीपीएफ क्रेडिट मिसिंग मॉड्यूल भी विकसित किया गया है, जिससे कार्यालय प्रमुख और कर्मचारी सेवा काल के दौरान मिसिंग जीपीएफ एंट्री का ऑनलाइन सुधार कर सकेंगे।

अतिशेष प्राचार्य-व्याख्याताओं की मंत्रालय में हो रही राज्य स्तरीय काउंसिलिंग, हाथों-हाथ दे रहे पदस्थापना आदेश

रायपुर। शैक्षिक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत इन्द्रावती भवन के सभा कक्ष में आज राज्य स्तरीय काउंसिलिंग हो रहा है. प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 108 अतिशेष प्राचार्य एवं व्याख्याताओं की

काउंसिलिंग के बाद डीपीआई ऋतुराज रघुवंशी पदस्थापना आदेश प्रदान कर रहे हैं. काउंसिलिंग कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ. समस्त संभागीय संयुक्त संचालकों को पहले ही लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा निर्देशित किया गया था कि वे संबंधित अधिकारियों एवं शैक्षिक कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें. काउंसिलिंग उपरांत लोक शिक्षण संचालनालय संचालक ऋतुराज रघुवंशी द्वारा शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से पदस्थापना आदेश सौंपे गए. इस दौरान रघुवंशी ने शिक्षकों से अपेक्षा जताई कि वे अपने नवीन कार्यस्थलों पर तत्परता और निष्ठा के साथ कार्य करें, ताकि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके. शैक्षिक युक्तियुक्तकरण की यह प्रक्रिया न केवल शिक्षकों के समुचित वितरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि इससे दूरस्थ एवं आवश्यक शैक्षणिक संस्थाओं में विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी.

वंदना ऑटो से एनआईटी मार्ग में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया मूणत और महापौर ने

रायपुर। आज प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम क्षेत्र वन्दना ऑटो से एनआईटी मार्ग में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण पैदल भ्रमण करते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश विधायक राजेश मूणत महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त विश्वदीप, लोक कर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, पार्षद आनंद अग्रवाल, अपर आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ यू. एस. अग्रवाल, निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता यू. के. धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन 5 कमिश्नर क्षीरसागर नायक, जोन 7 कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, अंशुल शर्मा जूनियर, ईश्वर लाल टावरे, नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में दिए हैं. इस मार्ग में डिवाइडर बन चुका है, किंतु उस पर जाली तथा पोल लगाने का कार्य अभी अधूरा है. इसी प्रकार सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने का कार्य भी अपूर्ण है. निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि विकास कार्य जिस गति से होना चाहिए, वह नहीं हो पा रहे हैं. इसके अतिरिक्त प्रदेश के रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने अनुपम उद्यान (महावीर पार्क) की साइड रोड पर भी दुकानों को उचित रूप से व्यवस्थित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं. पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पुल का निरीक्षण करने के दौरान वहां पर की साफ - सफाई व्यवस्था को लेकर गहन असंतोष व्यक्त किया. रायपुर पश्चिम विधायक ने सम्बंधित अधिकारियों को कहा कि वे नियमित तौर पर निरीक्षण किया करें, ताकि परिसर एकदम साफ- सुथरा रहे. उन्होंने यहां स्थित कला केंद्र भी देखा और इसके परिसर को भी व्यवस्थित रखने कहा. इसके पश्चात पश्चिम विधायक राजेश मूणत वर्तमान चौपाटी तथा जहां यह चौपाटी शिफ्ट होनी है उसे भी देखने गए और इस हेतु आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को स्थल पर दिए.

// ऑपरेशन शंखनाद //

जशपुर जिला झारखंड एवं ओड़िसा राज्य से घिरा हुआ है, छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण के पूर्व जशपुर नगर से लगे रांची रोड स्थित शांतिनगर के पास बैल-बाजार लगता था, इस बाजार का उद्देश्य स्थानीय कृषक/ग्रामीणों को आसानी से कृषि कार्य हेतु बैल/गौवंश मिल सके, इस हेतु बैल-बाजार को प्रारंभ किया गया था, परंतु धीरे-धीरे इसका वृहद व्यवसायीकरण हो गया। इस बाजार में दिगर राज्य के लोग भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने लगे जिससे गौ-वंश की तस्करी जशपुर जिले से दूसरे राज्यों में बढ़ने लगा। अधिकाशतः समुदाय विशेष के व्यवसायी उक्त गौ-वंश को कृषि कार्य हेतु न ले जाकर बूचड़खाना में ले जाने लगे, इस व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा को लेकर कई बार संघर्ष भी हो चुका है, इस संघर्ष में कितने लोग असमय काल की गाल में समा गये। इस दौरान गौ तस्कर स्थानीय लोगों को डराने के लिये अपने साथ अवैध हथियार इत्यादि भी रखने लगे। इस बैल बाजार की आड़ में अन्य अनैतिक व्यापार बढ़ने लगा। स्थानीय लोगों के मुखर विरोध करने पर ठेका पर चल रहे वर्ष 2003 में प्रशासन द्वारा जशपुर नगर के उक्त बैल-बाजार को बंद कर दिया गया।

जशपुर जिले में गौ-तस्करों का मुख्य पैदल रूट -

जशपुर में बैल बाजार के बंद हो जाने के बाद गौ-तस्कर नियमित रूप से जशपुर जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र, रायगढ़ जिले के चरखापारा सहित जॉजगीर-चांपा, बिलासपुर इत्यादि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से गौ-वंष की खरीदी कर विभिन्न बड़े वाहनों से छ.43 एवं ग्रामीण/जंगली रास्तों का इस्तेमाल कर पड़ोसी राज्य झारखंड, ओड़िसा, पश्चिम् बंगाल होते हुये संभवत: बांग्लादेष तक गौ-वंश की सप्लाई करते रहे हैं, इनकी सप्लाई चेन को तोड़ना पुलिस के लिये बड़ी चुनौती थी। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुये श्री शषि मोहन सिंह द्वारा एक अभियान ऑपरेशन शंखनाद चलाया। विदित हो कि शंखनाद शब्द शंखनदी से लिया गया है, यह नदी जशपुर जिले के अन्तर्राज्यीय सीमा से लगभग 32 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, इस नदी के पार करते ही झारखंड प्रदेश का गुमला जिला प्रारंभ हो जाता है। गौ-तस्करों का स्थानीय चैनल/नेटवर्क भी मजबूत था, जशपुर जिले सहित झारखंड के कई लोग इस तस्करी के व्यवसाय में सम्मिलित थे। सर्वप्रथम इनकी पहचान की गई।स्थानीय गौ-तस्करों की पहचान कर उन्हें पुन: गौ-तस्करी करते हुये पाये जाने की सूचना पर उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की गई। अधिकांश स्थानीय गौ-तस्कर बड़े गौ-तस्करों के लिये मजदूर का कार्य करते थे, जो उनके लिये ग्रामीण क्षेत्र से गौ-वंश उपलब्ध कराने/हॉकने का कार्य करते थे। स्थानीय तस्कर को जिले के भौगोलिक क्षेत्र, ग्रामीण परिवेश का पूर्ण ज्ञान होता है। स्थानीय गौ-तस्कर चोरी छिपे जंगल/सुनसान क्षेत्र में गौ-वंश को एकत्रित करते हैं, फिर बड़े तस्कर बड़े वाहनों से गौ-वंश को लोड कर झारखंड के लोहरदगा, रांची इत्यादि जिलों में ले जाते हैं। गौ-तस्करों द्वारा तस्करी में मुख्यत: 02 विधियों का उपयोग किया जाता है, पहला चारपहिया पैसेंजर वाहन की शीट को हटाकर एवं पीकअप वाहन को मोडीफाईड कर उसमें निर्दयतापूर्वक गौ-वंश को भरा जाता है। पुलिस द्वारा अधिकतर पीकअप वाहन, ट्रक, छोटा हाथी इत्यादि से गौ-तस्करी करते हुये जप्त किया गया है। कई बार गौ तस्करों द्वारा पुलिस टीम को तेज वाहन से कुचलने का प्रयास किया गया है, इस पर पुलिस द्वारा स्पेषल विधि से कांटा फेंककर उनके वाहनों को पंचर किया गया है, उसके उपरांत भी तस्कर वाहन को चलाते हुये भागने का प्रयास करते रहे हैं, पुलिस द्वारा लगातार उनका पीछा करने पर वे वाहन को रोड/खेत में उतार कर गिरफ्तारी के भय से फरार हो जाते हैं। पुलिस द्वारा इन गौ-तस्करों के चंगुल से हजारों गौ-वंश को मुक्त कराया गया है। इन वाहनों में तस्करों द्वारा निर्दयतापूर्वक गौ-तस्करी करने से कई गौ-वंश की मृत्यू हो चुकी होती है, साथ ही जप्त गौ वंश का तत्काल पशु चिकित्सक टीम से ईलाज कराया जाता है। फरार गौ-तस्करों को जप्त वाहन के नंबर से/मुखबीर से लगातार पतासाजी कर गिरफ्तारी की जा रही है।दूसरा विधि में गौ-तस्करों द्वारा गौ-वंश को विभिन्न क्षेत्र से खरीदकर जंगल/सुनसान जगह पर एकत्रित किया जाता है, तत्पश्चात् हॉकरों की मद्द से रात्रि होने पर जंगली रास्तों/पगडंडी रास्तों में पैदल तस्करी किया जाता है। जशपुर जिला में मुख्यत: नारायणपुर, मनोरा, आस्ता होते हुये झारखंड, कुनकुरी, दुलदुला, लोरो घाटी के जंगली/ग्रामीण जंगली रास्ता होते हुये झारखंड एवं फरसा बहार, तुमला क्षेत्र से ओड़िसा की ओर तस्करी होती है। गौ-तस्करी के लिये कुख्यात ग्राम साईटांगरटोली में दिनांक 07.08.2024 एवं डड़गांव में दिनांक 06.09.2024 को ऑपरेशन शंखनाद चलाकर सैंकड़ों गौ-वंष को आजाद कराते हुये अनकों गौ-तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पदस्थापना अवधि में गौ-तस्करों के विरूद्ध विशेष अभियान ऑपरेशन शंखनाद चलाकर वर्ष 2024-25 में कुल 93 प्रकरणों में 120 आरोपियों को गिरफ्तार कर 1083 से अधिक गौवंशों को तस्करी होने से बचाया गया है। गौ तस्करों द्वारा तस्करी करने में पीकअप वाहन

श्रीमती अमृता सहाय
स्वामी, प्रकाशक, एवं संपादक

गौ-तस्करी करता है। जषपुर पुलिस के लगातार छापेमारी एवं दबाव से यह गिरफ्तारी के भय से न्यायालय में अपने साथियों मो. तबारक खान, शाहिद खान, मो. आफ्ताब उर्फ आफताब मीर उर्फ शौकत अली के साथ सरेंडर कर दिया। इनके विरूद्ध विभिन्न न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट भी जारी किया गया था।इसके विरूद्ध गौ-तस्करी के पंजीबद्ध अपराधों की जानकारी:-अप.क्र. 36/24 सहआरोपीगण:- साईटांगरटोली थाना लोदाम। इसके विरूद्ध गौ-तस्करी के पंजीबद्ध अपराधों की जानकारी:- अप.क्र. 24/24 सहआरोपी:-1-इमरान खान पिता मुस्तकीम खान उम्र 23 साल निवासी ग्राम केराडीह थाना नारायणपुर। अप.क्र. 36/24 सहआरोपीगण:-1-शमीम खान पिता शानुल खान उम्र 27 साल, 2-रौनक शाह पिता देवलाल साह,3-बेलाल शाह पिता देवलाल शाह उम्र 28 साल तीनों साकिनान साईटांगरटोली थाना लोदाम, 4-याकूब अंसारी पता स्व. अफ्जल अंसारी उम्र 25 साल सा. आजाद मोहल्ला सिसई जिला गुमला। 5-मो. परवेज भण्डारी सा. मुर्गु थाना सिसई जिला गुमला झारखंड। 6-मो. तनवीर खान सा. लोहरदगा झारखंड। 7-अमजद उर्फ बबलू पिता जलील हजाम उम्र 40 साल निवासी साईटांगरटोली। 8- लाल खान पिता जुम्मन खान उम्र 50 साल निवासी गोविंदपुर थाना जारी जिला गुमला (झारखंड) अप.क्र. 42/24

एवं ट्रक का प्रयोग करते है। इस दौरान लगातार पुलिस कार्यवाही में तस्करी में प्रयुक्त कुल 48 वाहन को जप्त किया गया है जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 04 करोड़ लगाया गया है। अधिकतर वाहन झारखण्ड रजिस्ट्रेशन का होना पाया गया है। उक्त जप्त वाहन में से 20 वाहनों का राजसात हो चुका है, शेष वाहन भी राजसात होने की प्रक्रिया में है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह के प्रतिवेदन पर 18 प्रकरणों में 20 वाहनों की राजसात की कार्यवाही कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के द्वारा की गई है, वाहन मालिकों को अपना पक्ष रखने हेतु पर्याप्त अवसर दिया गया था। आने वाले दिनों में पृथक से उक्त वाहनों की नीलामी कर उससे प्राप्त राशि शासकीय खजाने में जमा कराया जायेगा। जशपुर पुलिस एवं जिला प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही में राजसात किये जा रहे वाहनों से गौ तस्करों के आर्थिक प्रतिष्ठानों पर बड़ा प्रहार है **प्रमुख गौ-तस्करों का बायोडाटाः**-(1) लाल खान पिता जुम्मन खान उम्र 50 साल निवासी गोविंदपुर थाना जारी जिला गुमला (झारखंड), वर्तमान निवास-साईटांगरटोली थाना लोदाम। इसके विरूद्ध गौ तस्करी के अनेकों अपराध पंजीबद्ध है। यह अपने साथियों के साथ मिलकर

1-शमीम खान पिता शानुल खान उम्र 27 साल, 2-बेलाल शाह पिता देवलाल शाह उम्र 28 साल दोनों साकिनान साईटांगरटोली थाना लोदाम, 3-याकूब अंसारी पता स्व. अफ्जल अंसारी उम्र 25 साल सा. आजाद मोहल्ला सिसई जिला गुमला। अप.क्र. 39/24 सहआरोपी:-1-मो. आलिम साह पिता फिरोज साह उम्र 20 साल निवासी मुरगु थाना सिसई जिला गुमला। अप.क्र. 41/24 सहआरोपी:-1-मो. महबुब आलम पिता ताज मोहम्मद उम्र 22 साल निवासी साईटांगरटोली थाना लोदाम। (2) अमजद उर्फ बबलू पिता जलील हजाम उम्र 40 साल निवासी सहआरोपीगण :- 1-जुनैद आलम पिता स्व. नाजीर हुसैन उम्र 23 साल सा. साईटांगरटोली थाना लोदाम। 2-सिफान खान, 3-इरफान खाान, 4-चरकू सभी निवासी साईटांगरटोली थाना लोदाम। (3) इमरान खान पिता मुस्तकीम खान उम्र 28 साल निवासी साईटांगरटोली थाना लोदाम। इस के विरूद्ध गौ-तस्करी के पंजीबद्ध अपराधों की जानकारी :- अप.क्र. 40/24 अप.क्र. 58/24 सहआरोपी:-1-याकूब अंसारी पता स्व. अफ्जल अंसारी उम्र 25 साल सा. आजाद मोहल्ला सिसई जिला गुमला।

बस्तर में बदल रही तस्वीर, नक्सल हिंसा की जगह अब छाई खुशियां

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ितों की नई जिंदगी की शुरुआत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में, जहां कभी गोलियों की गूज सुनाई देती थीं, वहां अब हर जगह खुशी और उल्लास की गूंज सुनाई देती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन और छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति व नियद नेल्लानार योजना के प्रभाव से माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवक-युवतियों और नक्सल पीड़ितों ने नई जिंदगी की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत बस्तर संभाग में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह इस बदलाव के साक्षी बने हैं। सुकमा के मिनी स्टेडियम में 13 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में दो आत्मसमर्पित नक्सली जोड़ों मौसम महेश-हेमला मुन्नी और मड़कम पाण्डू-रव्वा भीमे ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह रचाया। ये

चारों जून 2024 में नक्सल संगठन छोड़कर आत्मसमर्पण कर चुके थे। मुख्यमंत्री ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर श्री साय ने सुकमा जिले को 206 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी दी। नवदंपतियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी नीतियों और पुनर्वास योजनाओं ने उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और विकास की राह अपनाने के लिए प्रेरित किया।दंतेवाड़ा के मेंढका डोबरा में मंदिर परिसर में 20 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 220 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बंधकर गृहस्थ जीवन शुरू किया। इनमें पूवर्ती गांव की एक नक्सल पीड़िता और वहां तैनात जवान का जोड़ा भी शामिल था। पूवर्ती, जो कभी खूंखार नक्सली हिड़मा और देवा का गढ़ था, अब सरकार की योजनाओं और सुरक्षा बलों की मौजूदगी से भयमुक्त होकर खुशहाली की ओर अग्रसर है। नियद नेल्लानार योजना के तहत धुरली गांव के दो जोड़ों सीमा भास्कर-रमेश भास्कर और सुंदरी तेलाम-धन्नु कुंजाम ने भी विवाह रचाया। सभी नवदंपतियों के बैंक खातों में 35 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने बस्तर के निर्धन परिवारों को नया जीवन दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तपकरा तहसील कार्यालय का किया शुभारंभ

तपकरा को नगर पंचायत बनाने की घोषणा, फरसाबहार में विश्राम गृह निर्माण की घोषणा

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने घोषणा को साकार करते हुए आज तपकरा में तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी कार्यालय का शुभारंभ किया। विदित हो कि 14 जनवरी को जशपुर जिले के प्रवास पर मुख्यमंत्री ने तपकरा को पूर्ण तहसील बनाने की घोषणा की थी। तहसील बनने से इसका लाभ 33 ग्रामों के किसानों, छात्रों और नागरिकों को मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तपकरा को नगर पंचायत बनाने, तपकरा स्थित खेल स्टेडियम के सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपए देने और फरसाबहार में विश्राम गृह निर्माण करने की घोषणा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आम जनता को अधिकांश कार्यों के लिए राजस्व विभाग की जरूरत पड़ती है। तहसील कार्यालय खुलने से इसका लाभ यहां की नागरिकों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। आवास प्लस प्लस के तहत जिसके पास 5

एकड़ असिंचित भूमि, 2.50 एकड़ सिंचित भूमि, टू व्हीलर और 15 हजार की आमदनी है उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान 3 लाख हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया था। महिलाओं को सशक्त बनाने महतारी वंदन योजना ने माध्यम से 70 लाख महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों की आमदनी में इजाफा के लिए तेंदू पत्ता प्रति मानक बोरा 5500 रुपए किया गया है। गांव में ही बैंकिंग की सुविधा मिले इसके लिए अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खोले जा रहे हैं। आगामी पंचायत दिवस को सभी ग्राम पंचायतों में इसे शुरू करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए रजिस्ट्री में 10 नई क्रांतियां के तहत नवाचारों का बेहतर उपयोग कर पंजीयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल, डिजिटल और नागरिक केंद्रित बनाया गया है। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज और शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज खोले जाएंगे। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने बताया कि यहां पर तहसील कार्यालय खुलने से किसानों, भूस्वामियों, छात्रों और नागरिकों को सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि एसडीएम फरसाबहार का लिंक कोर्ट भी आगामी सोमवार को प्रारंभ हो जाएगा। विधायक श्रीमती गोमती साय ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य और जिले में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। आम नागरिकों की सुविधा के लिए राज्य सरकार पूरी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, पूर्व विधायक श्री भरत साय एवं रोहित साय, आईजी श्री दीपक कुमार झा, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह, तपकरा सरपंच श्रीमती सविता जायसवाल सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी- कर्मचारी और भारी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

जनजातीय गौरव वर्ष...आयुष्मान कार्ड बनाने फिर होगा पंजीयन

छत्तीसगढ़ में 15 से 30 जून चलेगा विशेष अभियान; आदिवासियों के घर पहुंचेगी हर योजनाएं

रायपुर। राजधानी रायपुर में 15 से 30 जून 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में छूटे हुए आदिवासियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए स्वास्थ्य-परिवार कल्याण विभाग पंजीयन करेगी।

आदिवासी विकास विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रदेश में कुल 85 आदिवासी बाहुल्य विकास खंड है। 6691 ऐसे गांव है जहां जनजातीय समुदाय ज्यादा है। इन सभी गांवों के हर एक घर तक भारत सरकार और राज्य सरकार की संचालित अलग-अलग योजनाओं से आदिवासियों को हर हाल में जोड़ना है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना और मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से जनजातीय समूहों को जोड़ने के लिए राज्य नोडल एजेंसी विशेष अभियान चलाएगी। 15 जून से मितानिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत कर्मियों के जरिए ऐसे आदिवासी जिनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन सका है। उन सभी का आयुष्मान कार्ड पंजीयन कराया जाएगा। कार्ड पंजीयन के लिए दल जनजातीय समूहों के प्रत्येक घर तक पहुंचने का

प्रयास करेगा। इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए राज्य नोडल एजेंसी सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र के माध्यम से जानकारी भेजी गई है। भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकारण भी इस आयोजन की लगातार मानिटरिंग कर रही है। अभियान को किस तरह मूर्तरूप देना है। इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। राज्य नोडल एजेंसी के द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण से प्राप्त निर्देशों के अनुसार ही कार्ययोजना बनाई गई है।

नवा रायपुर में महिलाएं दौड़ा रही पिंक ई-रिक्शा

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ रोजगार के अवसर भी तैयार कर रही है। उसी दिशा में एक कदम नवा रायपुर में भी महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा सौंपकर उनकी तरक्की की राहें आसान कर दी है। नवा रायपुर के विकास में अब महिलाएं भी सहभागिता निभाएगी। यहां रेलवे स्टेशन खुलने के बाद से विकास के द्वार भी खुल गए है। व्यापारिक गतिविधियां भी तेजी के साथ संचालित होगी। इसके लिए महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा सौंपा गया है। नवा रायपुर में अब एयरपोर्ट से सीबीडी रेलवे स्टेशन या जंगल सफारी, मंत्रालय, पुरखौती मुक्तांगन, शासकीय विभागों के दफ्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जाना बेहद आसान हो गया है। एनआरडीए ने ग्रामीण महिलाओं के हाथों में पिंक ई-रिक्शा की चाबी सौंपी है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के साथ आर्थिक तरक्की भी आसान हो जाएगी। नवा रायपुर में शानदार सड़कें निर्माण की गई हैं, लेकिन छोटी दूरियों और प्रमुख स्थानों तक आवाजाही में नागरिकों को पहले दिक्कतें होती थी। पहले बस के बाद आवाजाही के सुगम साधन नहीं थी, लेकिन अब सुगम साधन बन चुके है। पिंक ई-रिक्शा काफी मददगार साबित होगा।

प्रदेश के निर्माण श्रमिक और उनके परिवारों के लिए 18.89 करोड़ की सौगात

रायपुर। राज्य सरकार प्रदेश के निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 36,666 निर्माण श्रमिकों के लिए 18.89 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन 15 जून राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में दोपहर 12 बजे आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों के खातों में के माध्यम से राशि अतंरित करेंगे। मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल में कक्षा 10वीं के 26 और कक्षा 12वीं के 5 बच्चों सहित कुल 31 श्रमिकों के मेधावी बच्चों को 2 लाख रुपये प्रति बच्चें दिए जाएंगे। इस राशि में 1 लाख रुपये दोपहिया वाहन खरीदने के लिए और 1 लाख रुपये नकद प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाएंगे । श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 1,915 श्रमिकों को 3.83 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। वहीं मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना से 279 श्रमिकों को 10.33 लाख रुपये

से अधिक की सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना से 6,319 श्रमिकों को 2.19 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिलेगी। इसी प्रकार मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना के तहत 12 श्रमिकों को 94,800 रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना से 4,825 बच्चों को 96.17 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी । मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना से 2 श्रमिकों को 40,000 रुपये की सहायता मिलेगी । मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना से 4,939 श्रमिकों को 74 लाख रुपये से अधिक के सुरक्षा उपकरण दिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना के तहत 1 बच्चे को 50,000 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से 7 श्रमिकों को 7 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से 264 श्रमिकों के परिवारों को 2.64 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी । वहीं मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से 2,486 श्रमिकों को 4.97 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा ।

छत्तीसगढ़ की शिक्षा में एक साहसिक छलांग

कोई भी स्कूल अब शिक्षक विहीन नही, एकल शिक्षकीय स्कूलों में 80 फीसद की गिरावट

रायपुर। राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की एक व्यापक और सार्थक पहल की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में यह दूरगामी सुधार, वास्तव में राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और लंबे समय से चली आ रही शैक्षिक विसंगतियों के समाधान का कारगर प्रयास है। युक्तियुक्तकरण से पहले, छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण अंचल की शालाओं में शिक्षकों की कमी, नगरीय इलाकों और उसके समीप की शालाओं में जरूरत से ज्यादा शिक्षकों की पदस्थापना के कारण शिक्षा प्रभावित हो रही थी और इसका असर बच्चों के परीक्षा परिणाम पर भी पड़ रहा था। राज्य के लगभग 212 प्राथमिक शालाएं और 48 पूर्व माध्यमिक शालाएं पूरी तरह से शिक्षक विहीन थीं, जबकि 6,872 प्राथमिक शालाएं और 255 पूर्व माध्यमिक शालाएं केवल एक शिक्षक के साथ संचालित हो रही थीं। इसके अतिरिक्त 211 शालाएं ऐसी थीं जहाँ छात्र संख्या शून्य थी, लेकिन शिक्षक पदस्थ थे। इसके अलावा, 166 शालाओं को

समायोजित किया गया, इसमें ग्रामीण क्षेत्रों की 133 शालाएं शामिल थीं, जिनकी दर्ज संख्या 10 से कम थी और दूरी 1 किमी से कम थी, तथा शहरी क्षेत्रों की 33 शालाएं थीं, जिनकी दर्ज संख्या 30 से कम थी और दूरी 500 मीटर से कम थी। इन चुनौतियों के बावजूद, छत्तीसगढ़ का छात्र-अध्यापक अनुपात (पीटीआर) राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय रूप से बेहतर था, प्राथमिक शालाओं के लिए पीटीआर-20 था, जबकि राष्ट्रीय औसत 29 है और पूर्व माध्यमिक शालाओं के लिए पीटीआर-18 था, जबकि राष्ट्रीय औसत 38 है। हालांकि, वितरण असमान था। राज्य में लगभग 17,000 प्राथमिक शालाएं और लगभग 4,479 पूर्व माध्यमिक शालाएं थीं, जिनका पीटीआर-20 से कम था। अकेले शहरी क्षेत्रों में 527 ऐसे विद्यालय थे, जिनका पीटीआर-10 से कम था, जिनमें 15 या उससे अधिक शिक्षकों वाली 08 प्राथमिक शालाएं, 10-15 शिक्षकों वाली 61 शालाएं और 6-9 शिक्षकों वाली 749 प्राथमिक शालाएं थीं, ये आंकड़े बेहतर संसाधन आवंटन की जरूरत को दर्शाते हैं। इस पहल का मुख्य बिंदु एक ही परिसर में संचालित लगभग 10 हजार 372 शालाओं का एकीकरण था, जिनमें प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल थे। इस विलय से कई लाभ मिलने की उम्मीद है, जिनमें शाला त्यागी छात्रों की संख्या में कमी और छात्रों को बार-बार स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता का समाप्त होना शामिल है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, छोटी कक्षाओं के छात्रों को बड़ी कक्षाओं के छात्रों का सहयोग प्राप्त होने, और कंप्यूटर, विज्ञान प्रयोगशाला, खेल-कूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से शैक्षणिक समझ और अभिरुचि में वृद्धि के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होगा।

रिक्शा सवार अधेड़ के बैग से नकदी पार

रायपुर। ईरिक्शा में सवार अज्ञात दो महिला ने अधेड़ के बैग से नकदी 60 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आरीफ खान 55 वर्ष नवदुर्गा चौक बलौदाबाजार का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह ईरिक्शा में सवार होकर कहीं जा रहा था, तभी आनंद नगर ढाल से जयस्तंभ चौक के मध्य रिक्शा में सवार अज्ञात दो महिला ने प्रार्थी के बैग से 60 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ऑफिस से 24 नग बैटरी पार

रायपुर। ग्राम छतौद स्थित इंडस टावर प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिस से अज्ञात चोर ने 24 नग बैटरी पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हैदर अंसारी 25 वर्ष मोहभट्टा नेवरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके इंडस टावर प्राइवेट लिमिटेड ऑफिस से 24 नग बैटरी पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 60 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलापु अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में मीडिया कोर्स में प्रवेश की तिथि घोषित

रायपुर । कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में आज विभागाध्यक्षों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता रायपुर संभागायुक्त एवं कुलपति महादेव कावरे ने की। कुलपति श्री कावरे ने कहा कि मीडिया शिक्षा में व्यापक संभावनाएं हैं और विश्वविद्यालय न्यूनतम शुल्क में ग्रामीण एवं शहरी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने हेतु हेल्प डेस्क की स्थापना और मीडिया पाठ्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। बैठक में प्रवेश समिति, शुल्क निर्धारण समिति एवं कक्षा व छात्रावास व्यवस्था के बेहतर संचालन के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही कुलपति ने विश्वविद्यालय में चल रहे सेमेस्टर परीक्षाओं का निरीक्षण भी किया। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीजी डिप्लोमा स्तर के मीडिया पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.ktujm.ac.in/ पर आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 40 सीटें निर्धारित हैं। प्रवेश प्रक्रिया में शासन के नियमानुसार आरक्षण एवं पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रवेश के लिए मेरिट लिस्ट 30 जून 2025 को जारी की जाएगी । एवं अंतिम तिथि 5 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। रिक्त सीटों हेतु दूसरी सूची 12 जुलाई 2025 को जारी की जाएगी। बैठक में अध्ययन संकाय के विभागाध्यक्ष पंकज नयन पाण्डेय, शैलेन्द्र खण्डेलवाल, डॉ. नृपेन्द्र कुमार शर्मा एवं डॉ. राजेन्द्र मोहंती ने अपने-अपने विभागों में प्रवेश से संबंधित गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा, उप कुलसचिव सौरभ शर्मा, सहायक कुलसचिव डॉ. देवसिंह पाटिल, वित्त अधिकारी विनय राज ढीढ़ी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

डबल इंजन सरकार में तेजी से हो रहा बस्तर का विकास : सीएम साय

छत्तीसगढ़ में आवागमन होगा और सुगम : 307.96 करोड़ की लागत से बनेगा 11.38 किमी लंबा 4 लेन केशकाल बाईपास

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा 307.96 करोड़ रुपये की लागत से पेव्ड शोल्डर मानक के साथ 4 लेन में केशकाल बाईपास निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने पर प्रदेशवासियों विशेषकर बस्तर अंचल की जनता की ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह बाईपास केशकाल घाट खंड में यातायात बाधाओं को दूर कर सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में तेजी से बस्तर अंचल का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित विकास नीति का परिणाम है, जो बस्तर जैसे जनजातीय अंचल को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक और ठोस कदम है। इस ऐतिहासिक स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दूरदृष्टि और पहल के लिए आभार जताते हुए इसे बस्तर के विकास के लिए निर्णायक कदम बताया है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर केशकाल घाट खंड को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए 307.96 करोड़ रुपये की लागत से 11.380 किलोमीटर लंबा 4-लेन बाईपास निर्माण अपग्रेड की स्वीकृति दी गई है। यह बाईपास पेव्ड शोल्डर मानक के अनुरूप होगा और इसके बनने से बस्तर अंचल में कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा। यह परियोजना विशेष रूप से केशकाल घाट के कठिन भौगोलिक खंड को पार करने में सहूलियत प्रदान करेगी। बाईपास के निर्माण से न केवल वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा, बल्कि वाहन चालकों को तेज, सुगम और निर्बाध यात्रा का अनुभव भी मिलेगा। बाईपास निर्माण से शहरी क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम होगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को जाम और दुर्घटना की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही प्रदूषण के स्तर में भी गिरावट आएगी, जिससे पर्यावरणीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

अग्निशमन विभाग में निकली भर्ती 1 जुलाई से शुरू होगी आवेदन की प्रक्रिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी की रह देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। प्रदेश में अग्निशमन

विभाग की 295 पदों पर भर्ती होगी। राज्य बनने के बाद पहली बार इस विभाग में भर्ती होने जा रहा है। वहीं संबंध में गृह मंत्री विजय शर्मा ने जानकारी दी है। सभी पदों के लिए छत्तीसगढ़ मूल निवासी अनिवार्य है। इसके लिए संशोधन प्रस्ताव पास किया गया। 1 जुलाई से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। स्टेशन मास्टर,फायरमैन जैसे अन्य पदों पर भर्ती होगी। वहीं सीधी भर्ती 2023 में नियुक्ति के बाद बर्खास्त किये गये शिक्षकों के लिए काउंसलिंग होगी। इसके तहत 2 हजार 621 बी.एड. सहायक शिक्षकों के लिए ओपन काउंसिलिंग की जाएगी। वहीं सहायक शिक्षक विज्ञान के पद पर 17 से 26 जून तक समायोजन के लिए ओपन काउंसिलिंग की प्रक्रिया होगी।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान जल संरक्षण को नई दिशा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिलों में जल संरक्षण एवं संचयन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं इसी तारतम्य में बिलासपुर जिले में जल संरक्षण एव जल संचय के वृहद प्रयास किये जा रहे है। जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत इस दिशा में कार्ययोजना बनाकर व्यापक कार्य किये जा रहे है। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आगमन कोटा ब्लॉक के ग्राम आमागोहन में हुआ था। ग्राम आमागोहन से ही भूजल स्तर बढ़ाने का प्रयास कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में शुरू किया गया। मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत जिले में भूजल रिचार्ज की आधुनिक तकनीक इंजेक्शन वेल को तेजी से अपनाया जा रहा है। यह तकनीक गांव को जल संकट से निजात दिलाने और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इंजेक्शन वेल एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें वर्षा जल को सीधे जमीन के भीतर स्थित जल स्तर तक पहुंचाया जाता है। यह प्रक्रिया पानी के भंडारण से अधिक प्रभावी होती है। क्योंकि यह भूजल को सीधे रिचार्ज करती है। जिससे हैंडपंप, कुएं और तालाब पुन: जलयुक्त हो जाते है। ग्राम अमागोहन, सोनपुरी में इंजेक्शन वेल तकनीक का उपयोग कर वर्तमान में सूखे तालाबों, पार्कोलेशन टैंक, डबरियों में इंजेक्शन वेल का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य से सतही जल एवं वर्षा जल को तालाब में जमा कर उसे फिल्टर करते हुए साफ पानी से भूजल स्तर को रिचार्ज किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान को जन आंदोलन के रूप में अपनाया जा रहा है। जिले में इसके लिए जनजागरुकता का कार्य मनरेगा और एनआरएलएम के दल द्वारा किया जा रहा है। जिससे भू जल के कम से कम उपयोग और भूजल स्तर को बढ़ाने के प्रयास में जनभागीदारी पर जोर दिया जा रहा है फलस्वरूप अब तक विगत 1 माह में ही 54 बोरी बंधान के कार्य नालों में कर लिए गए है। तेज बहाव को कम करते हुए आसपास के भूजल स्तर को बढ़ाया जा सके। इसके साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के दिनों में अधिक जल की आवश्यकता वाली फसलों जैसे धान की बुवाई के स्थान पर कम भूजल उपयोग वाले फसलों के विषय में जानकारी दी रही है। जल संरक्षण हेतु जिले में निष्क्रिय बोरवेल को फिर से चालू करने के लिए 159 स्थानों का चिन्हांकन कर सैंड फिल्टर तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इस अभियान को मोर गांव मोर पानी महाअभियान से जोड़कर क्रियान्वित किया जा रहा है इसके लिए जून माह के पहले सप्ताह में भी अलग अलग क्लस्टर में लगभग 6000 प्रतिभागियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें गांव के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और स्व सहायता समूह की दीदियों ने भाग लिया। प्रशासन के इस अनूठे प्रयास से पानीं बचाने लिए लोगों में जागरूकता आ रही है जिससे भविष्य सुरक्षित हो रहा है।

कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक: विभागों में भी मिल सकेगी अनुकंपा नियुक्ति

रायपुर। कैबिनेट द्वारा शहीद पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को ध्यान में रखते हुए अनुकम्पा नियुक्ति हेतु पुनरीक्षित निर्देश-2013 में संशोधन करते हुए निर्णय लिया है। नक्सली हिंसा में शहीद पुलिस सेवकों के प्रकरण में उनके परिवार के किसी भी पात्र सदस्य को विकल्प के आधार पर पुलिस विभाग के अलावा, किसी अन्य विभाग में, राज्य के किसी भी जिला, संभाग में अनुकम्पा नियुक्ति दी जा सकेगी। पहले अनुकम्पा नियुक्ति यथासंभव उसी विभाग या कार्यालय में देने की व्यवस्था थी, जिसमें दिवंगत शासकीय सेवक निधन के पूर्व कार्यरत था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में उनके निवास कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कैबिनेट के निर्णस कर जानकारी दी। कैबिनेट ने अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति सूची में तकनीकी कारणों से शामिल होने से वंचित जातियों को प्राप्त होने वाली कतिपय सुविधाएं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए डिहारी कोरवा, बघेल क्षत्री, संसारी उरांव तथा पबिया, पविया, पवीया समाज के विद्यार्थियों को अनुसूचित जनजाति के समतुल्य एवं डोमरा जाति के विद्यार्थियों को अनुसूचित जाति के समतुल्य राज्य मद से मात्र राज्य छात्रवृत्ति तथा शिष्यवृत्ति प्रदान किये जाने एवं छात्रावास-आश्रमों में स्वीकृत सीट के अधीन प्रवेश दिए जाने की सुविधा प्रदान करने की सहमति दी है।कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने और बिजली उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घर की छतों में सोलर रूफ्टॉप संयंत्र की स्थापना में राज्य शासन द्वारा उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता दिए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर रूफ्टॉप संयंत्र लगाने पर केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ-साथ राज्य की ओर से अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी, जो सोलर प्लांट की क्षमता के आधार पर अलग-अलग होगी। हाउसिंग सोसाइटी/रेसिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के लिए भी इसी तरह की सहायता प्रस्तावित की गई है। यह अनुदान राशि सीएसपीडीसीएल को अग्रिम रूप से मिलेगी और वही इसे लाभार्थियों को देगी। वर्ष 2025-26 में 60,000 और 2026-27 में 70,000 सोलर पावर प्लांट की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2025-26 में 180 करोड़ एवं 2026-27 में 210 करोड़ रूपए का वित्तीय भार आएगा।

हम सभी की साझी भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प होगा पूरा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा, विकास का मूलमंत्र है और यह राष्ट्र के समग्र विकास की प्रारंभिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों ने भी शिक्षा के विस्तार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। राज्य सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इस दिशा में निरंतर प्रयासों को गति प्रदान की जा रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 25 वर्ष का छत्तीसगढ़ आज अपनी रजत जयंती मना रहा है और इस यात्रा में राज्य ने चहुंमुखी विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थान कार्यरत हैं, जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है, जिसकी दिशा में देश ने तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं। छत्तीसगढ़ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में अग्रसर है। राज्य की आकर्षक नई औद्योगिक नीति के तहत केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृक्षारोपण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और विगत वर्ष चार करोड़ पौधे रोपे गए थे। राज्य सरकार एक पेड़ माँ के नाम और पीपल फॉर पीपुल जैसे नवाचार कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगी।

किसानों को आधुनिक ड्रोन के माध्यम से लिक्विड उर्वरक के छिड़काव की दे जानकारी- कलेक्टर

जशपुरनगर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मछली पालन विभाग और पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक लेकर किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर जिले में फल-फूल की खेती के लिए भूमि बहुत ही उपजाऊ है, किसानों को इसका लाभ पहुंचाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता देने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार और अन्य विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री व्यास ने कृषि विभाग के अधिकारियों को धान के बदले अन्य फसल मूंगफली, दलहन तिलहन, अदरक, हल्दी, मूंग, उड़द सहित अन्य खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज बढ़ाने के लिए उनके खेतों की मिट्टी प्रशिक्षण करके मृदा कार्ड देने के निर्देश दिए हैं।

जशपुर की आवाज मासिक पत्रिका के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

हरजीत सिंह भाटिया
भाजपा प्रभारी ग्रामीण मंडल पत्थलगांव

कैम्पा मद का नियमानुसार हो समुचित उपयोग : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ कैम्पा की गवर्निंग बॉडी की तृतीय बैठक सम्पन्न

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ कैम्पा की गवर्निंग बॉडी की तृतीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि कैम्पा मद का समुचित उपयोग नियमानुसार किया जाए। उन्होंने बैठक में कैम्पा के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। हमारे प्रदेश में भरपूर वन संपदा उपलब्ध है। देश में भौगोलिक क्षेत्रफल के अनुसार छत्तीसगढ़ का स्थान दसवां है, जबकि वन क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य तीसरे पायदान पर है। वनों के संरक्षण एवं संवर्धन में कैम्पा मद की राशि की महत्वपूर्ण भूमिका है, अतः इसका उपयोग आवश्यकतानुरूप प्राथमिकताओं के आधार पर किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कैम्पा मद के अंतर्गत विगत वर्षों में किए गए वन विकास, वन सुरक्षा, वन्यप्राणी संरक्षण तथा अधोसंरचना विकास से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैम्पा) द्वारा गवर्निंग

बॉडी के समक्ष अब तक की प्रगति तथा कैम्पा मद से संपादित महत्वपूर्ण कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में बताया गया कि कैम्पा मद के अंतर्गत वन क्षेत्रों में वृक्षारोपण, वनग्रामों का पुनर्स्थापन, भू-जल संरक्षण, देवगुड़ियों का संरक्षण, वन मार्गों का उन्नयन, पुलिया एवं रपटा निर्माण, चारागाह विकास, नर्सरियों की स्थापना, हाईटेक बेरियरों का निर्माण, नदी तट वृक्षारोपण, फ्रंटलाइन स्टाफ हेतु आवासीय भवन, अग्नि सुरक्षा तथा वन्यप्राणी प्रबंधन जैसे कार्यों का क्रियान्वयन किया गया है। छत्तीसगढ़ कैम्पा की गवर्निंग बॉडी को अवगत कराया गया कि वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक राज्य के ब्याज धारित लोक खाता च्छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण निधिज् में भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली से कुल 7297.55 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है, जिसमें से विगत छह वर्षों में 4010.43 करोड़ रुपए का उपयोग किया गया है। कैम्पा मद की वार्षिक कार्य योजना (एपीओ) 2025-26 के लिए राज्य कैम्पा द्वारा भारत सरकार के राष्ट्रीय कैम्पा को 694.18 करोड़ रुपए की योजना प्रस्तावित की गई है, जिसके विरुद्ध अब तक 433.69 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती निहारिका बारीक सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजू एस., सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग श्री अंकित आनंद, सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्री अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री वी. श्रीनिवास राव सहित अन्य वरिष्ठअधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा को अर्पित की विनम्र श्रद्धांजलि

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम कोकियाखार पहुंचकर विधायक श्रीमती गोमती साय की माता स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती बसंती पैंकरा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने उनके शोक-संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

कचरे से कमाई की राहः रायपुर में बनेगा आधुनिक बायोगैस संयंत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सतत् और पर्यावरण हितैषी नीति को गति देते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस दिशा में आज रायपुर नगर पालिक निगम, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मध्य त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह एग्रीमेंट छत्तीसगढ़ राज्य में सतत ऊर्जा उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास को प्राथमिकता दे रही है। सतत् योजना के तहत कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की स्थापना न केवल अपशिष्ट प्रबंधन में सहायक होगी, बल्कि रोजगार और हरित अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगी। ग्राम रांवाभाटा, रायपुर में प्रस्तावित संयंत्र 100.150 टन प्रतिदिन रूस्ड्ड संसाधित कर बायोगैस का उत्पादन करेगा। इसमें शत-प्रतिशत निवेश भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जिसकी लागत लगभग 100 करोड़ रुपए की होगी। संयंत्र के माध्यम से रायपुर सहित आसपास के नगरीय निकायों से लगभग 150 टन प्रतिदिन ठोस अपशिष्ट का उपयोग किया जाएगा। **रोजगार सृजन** - संयंत्र के संचालन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 30 हजार मानव दिवस प्रति वर्ष रोजगार सृजित होंगे। पर्यावरणीय लाभ संयंत्र के संचालन से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आएगी तथा राज्य लक्ष्य की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ेगा। आय और राजस्व पूर्ण क्षमता पर कार्यरत संयंत्र से राज्य को प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ रुपए का जीएसटी प्राप्त होगा। जैविक खेती को बढ़ावा संयंत्र से सह-उत्पाद के रूप में प्राप्त जैविक खाद का उपयोग जैविक कृषि को प्रोत्साहन देगा।आज हुए एग्रीमेंट हस्ताक्षर कार्यक्रम में रायपुर कलेक्टर श्री गौरव कुमार, सीबीडीए के सीईओ श्री सुमित सरकार, बीपीसीएल बायोफ्यूल्स प्रमुख श्री अनिल कुमार पी, नगर निगम रायपुर कमिश्नर श्री विश्वदीप समेत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सीबीडीए के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिभाओं का सम्मान समाज के अन्य लोगों को आगे बढ़ने की देता है प्रेरणा - डेका

रायपुर। समाज के प्रतिभाओ के सम्मानित करना उनके भीतर सकारात्मक प्रेरणा जगाने का उत्कृष्ट प्रयास सेन समाज कर रहा है। जब हम किसी व्यक्ति की मेहनत और उपलब्धियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करते हैं तो हम सिर्फउसका मनोबल नही बढ़ाते, बल्कि समाज के अन्य लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज सेन समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में यह विचार व्यक्त किए। सेन समाज के महिला विंग द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा समाज के सभी जिलों के महिला अध्यक्षों, प्रतिभावान विद्यार्थियों, खिलाड़ियों एवं विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सेन समाज का इतिहास गौरवशाली और प्रेरणादायक है। यह समाज न केवल पारंपरिक बाल केश कला में निपुण रहा है बल्कि समय के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यवसाय के अनेक क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रहा है। यह प्रतिभा सम्मान समारोह समाज की उन्नति और समाज के लोगों की मेहनत का प्रतीक है। राज्यपाल ने सेन समाज की महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए महिलाओं ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त नारी ही सशक्त समाज की नींव है। महिला विंग ने इस आयोजन के माध्यम से संगठन को मजबूत किया है और आने वाली पीढ़ियों को दिशा देने का कार्य कर रही है। आज की महिलाएं घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को भी अच्छी तरह निभा रही हैं। यह परिवर्तन समाज को नई ऊर्जा दे रहा है। श्री डेका ने कहा कि हमे यह भी याद रखना जरूरी है कि

सम्मान केवल पद, डिग्री या पैसे से नहीं मिलता बल्कि हमारे आचरण, सेवा एवं समर्पण से प्राप्त होता है। उन्होंने समाज के हर उस व्यक्ति को नमन किया जो निस्वार्थ भाव से अपने आस-पास के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। श्री डेका ने भारत रत्न स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर का जिक्र किया जो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं एक जन नायक थे। श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां जनजातीय, ग्रामीण और शहरी सभी प्रकार की सामाजिक संरचनाएं एक साथ जुड़ी हुई है वहां सामाजिक संगठनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सेन समाज आने वाले वर्षों में प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने समाज के युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, उद्यमिता और डिजिटल शिक्षा की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता बताई जिससे वे आत्म निर्भर बन सके, साथ ही अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपरा को भी बनाए रख सके।

मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना : पायल को मिली एक लाख रूपए की सहायता

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को श्रम विभाग अंतर्गत संचालित योजना मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत टॉप टेन में आने वाले बच्चों को 1,00,000 प्रोत्साहन राशि से लाभान्वित किया जाता है। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि श्रम विभाग में संचालित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत जांजगीर चांपा जिले के विकासखंड बम्हनीडीह के ग्राम कुम्हारीकला निवासी श्रीमती सीता बाई का रेजा कुली प्रवर्ग में पंजीयन था।

मंडी में लहसुन की बंपर आवक से सस्ता हुआ तड़का

रायपुर/बिलासपुर. कुछ समय पहले लहसुन का दाम आसमान छू रहा था. पिछले साल अगस्त-सितंबर के महीने में लहसुन 400 रुपए प्रति किलो बिक रहा था. अब मंडी में बंपर आवक होने से लहसुन का भाव गिर गया है. बिलासपुर की थोक फल सब्जी मंडी तिफरा में लहसुन भारी मात्रा में आ रहा है. सोमवार को थोक मंडी में लहसुन 50 से 90 रुपए प्रति किलो में बिका है. व्यापारियों का कहना है कि इस बार देशभर में लहसुन का उत्पादन बहुत ज्यादा हुआ है. इसलिए इसकी कीमत में बहुत ज्यादा गिरावट हुई है. एमपी, राजस्थान और यूपी से आवक: छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही और मुंगेली जिले के कुछ किसान लहसुन की खेती करते हैं. तिफरा मंडी में ज्यादातर दातर दूसरे राज्यों से लहसुन आ रहा है. मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से भारी मात्रा में लहसुन की आवक बनी हुई है. पिछले साल की तुलना में इस वर्ष लहसुन की कीमत बहुत ही कम है. इससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है. बाजार में आवक ज्यादा होने और डिमांड कम होने की वजह से किसानों को लगभग आधी कीमत मिल पा रही है. थोक सब्जी व्यापारी संघ के अध्यक्ष के मुताबिक पिछले साल अगस्त-सितंबर में लहसुन के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए थे. बाजार में लहसुन 400 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रहा था. इसलिए इस साल किसानों ने इसकी खेती भारी मात्रा में की है.

इससे लहसुन की कीमत एकदम से गिर गई है. सोमवार को मंडी में लहसुन 5000 से 9000 रुपए प्रति क्विंटल बिका है. अगने महीने दाम में बढ़ोतरी की कुछ संभावना है. मंडी में मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से भरपूर लहसुन आ रहा है. इस साल दाम में गिरावट होने से अगले साल ज्यादातर किसान लहसुन कम मात्रा में लगाएंगे. इससे आने वाले वर्ष में लहसुन की आवक कम हो जाएगी और इसके भाव बढ़ेंगे.

फलों वाला सलाद बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान, नहीं तो बिगड़ जाएगा स्वाद

फलों वाला सलाद एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता होता है, जो खान-पान में ताजगी और ऊर्जा जोड़ता है। हालांकि, कई बार हम कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे हमारा फलों वाला सलाद स्वादिष्ट के बजाय बेस्वाद बन जाता है।

इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बताएंगे, जिन्हें अपनाने से आपका फलों वाला सलाद बेहद स्वादिष्ट बनेगा। इनसे सलाद का स्वाद खराब नहीं होगा और आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इस तरह काटे खट्टे और मीठे फल

खट्टे और मीठे फलों का मेल अक्सर बहुत अच्छा लगता है। हालांकि, इन्हें एक साथ मिलाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप किस फल को पहले काट रहे हैं। संतरे या नींबू जैसे खट्टे फल पहले काटने पर उनका रस निकल जाता है और इससे अन्य फलों का स्वाद खराब हो सकता है। इसलिए, पहले हमेशा केले या सेब जैसे मीठे फल काटें और खट्टे फल बाद में डालें, ताकि उनका स्वाद बेकार न हो।

एक साथ न परोसें पके और कच्चे फल

पके और कच्चे फलों का सेवन करते समय ध्यान देना चाहिए कि आप दोनों प्रकार के फलों को एक साथ न खा रहे हों। पके फल जल्दी टूट जाते हैं और उनका स्वाद भी

बदल जाता है, जिससे सलाद का स्वाद बिगड़ सकता है। इसलिए, आम और पपीते जैसे पके फल अलग रखें और नाशपाती या अनानास जैसे कच्चे फल अलग बर्तन में निकालकर खाएं। इससे सभी फल ताजे रहेंगे और उनके स्वाद में कोई बदलाव नहीं आएगा।

ज्यादा मसाले या चीनी मिलाने से करें परहेज

फलों वाले सलाद में ज्यादा मसाले या चीनी डालने से उसका असली स्वाद खो सकता है। कई लोग अपने सलाद में चाट मसाला या काली मिर्च डाल देते हैं, जिससे उसका स्वाद बिगड़ जाता है।

इसके अलावा, बहुत ज्यादा चीनी डालने से भी फल का प्राकृतिक स्वाद बदल जाता है। इसलिए फलों वाला सलाद बनाते समय इन चीजों का इस्तेमाल न करें और इसके बजाय नींबू का रस या थोड़ा-सा शहद मिलाएं, ताकि फलों का स्वाद बेकार न हो।

केवल एक जैसे फल ही न खाएं

एक ही तरह के फलों का इस्तेमाल करके भी आप अपने फलों वाले सलाद का मजा खराब कर सकते हैं। उदाहरण के लिए अगर आप केवल केले या सेब का इस्तेमाल करते हैं तो आपका सलाद उबाऊ हो जाएगा और उसमें कोई खास स्वाद नहीं आएगी। इसलिए हमेशा अलग-अलग प्रकार के फलों का मिश्रण बनाएं जैसे सेब, नाशपाती, केला, अनानास आदि, ताकि आपका सलाद ताजा और स्वादिष्ट बना रहे।

फलों को ताजा बनाए रखें

बनाने के बाद लंबे समय तक फल सलाद को फ्रिज में रखने से भी उसका स्वाद खराब हो सकता है। फल जल्दी ही अपनी ताजगी खो देते हैं और उनका रंग भी बदल जाता है, इसलिए सलाद बनाने के बाद उसे तुरंत खा लें।अगर आप सलाद को बाहर ले जा रहे हैं तो एयरटाइट कंटेनर में रखें, ताकि वह ताजा बना रहे। इस तरह आप फलों का सही इस्तेमाल करके अपने खाने का पूरा मजा ले सकते हैं।

लोगों को हैं टूथपेस्ट से जुड़े ये 5 आम भ्रम, जानिए इन सभी की सच्चाई

दांतों को स्वस्थ और सफेद बनने के लिए टूथपेस्ट

इस्तेमाल किया जाता है, जिसको लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचिलित हैं। कई लोग मानते हैं कि केवल महंगे टूथपेस्ट ही कारगर होते हैं या ज्यादा मात्रा में इसे लगाने से ही फायदा होता है। हालांकि, इनमें से ज्यादातर बातें मिटक साबित होती हैं। आइए आज हम मिलकर टूथपेस्ट से जुड़े कुछ आम भ्रमों पर चर्चा करते हैं और उनकी सच्चाई जानते हैं।

महंगा टूथपेस्ट ही होता है बेहतर

कई लोग मानते हैं कि महंगा टूथपेस्ट हमेशा बेहतर होता है और यह दांतों को ज्यादा सफेद बनाता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि महंगे ब्रांड हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले नहीं होते। कई बार सस्ते ब्रांड भी अच्छे परिणाम देते हैं। इसलिए कीमत देखकर ही चयन नहीं करना चाहिए। गुणवत्ता और असर को ध्यान में रखते हुए ही टूथपेस्ट चुनना चाहिए। इससे आपको सही जानकारी मिल सकेगी कि कौन-सा टूथपेस्ट आपके लिए बेहतर है।

बच्चों के लिए होता है फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट

फ्लोराइड वाले टूथपेस्ट को लेकर भी कई भ्रम फैले हुए हैं। कुछ लोग मानते हैं कि फ्लोराइड केवल बच्चों के लिए जरूरी होता है और बड़ों को इसकी जरूरत नहीं होती।

मुंहासों को छिपाने के लिए अपनाएं ये आसान और दर्द रहित उपाय

मुंहासे एक आम समस्या है, जिससे लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी उम्र में गुजरता है। इनसे छुटकारा पाना मुश्किल हो सकता है, लेकिन कुछ सरल और असरदार उपायों से आप इन्हें छिपा सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप बिना किसी दर्द के अपने मुंहासों को छिपा सकते हैं और अपने चेहरे को साफ-सुथरा दिखा सकते हैं। इन उपायों को आजमाकर आप अपने आत्मविश्वास को बढ़ा सकते हैं।

सही मेकअप चुनें- मुंहासों को छिपाने के लिए सही मेकअप का चयन बहुत जरूरी है। कंसीलर और फाउंडेशन का इस्तेमाल करें, जो आपकी त्वचा के रंग से मेल खाता हो। कंसीलर को सीधे मुंहासे पर लगाएं और फिर फाउंडेशन से ढक दें। इसके बाद सेटिंग पाउडर लगाना न भूलें, जिससे मेकअप लंबे समय तक बना रहे। सही मेकअप न केवल

आपके मुंहासों को छिपाएगा, बल्कि आपके चेहरे को भी निखार देगा।

हल्का ब्लश या ब्रॉन्जर लगाएं- मुंहासों को छिपाने के लिए हल्का ब्लश या ब्रॉन्जर लगाना अच्छा तरीका हो सकता है। हल्का गुलाबी या पीच रंग का ब्लश आपके चेहरे को ताजगी देगा और मुंहासों को कम ध्यान आकर्षित करेगा। अगर आप ब्रॉन्जर का इस्तेमाल करते हैं तो यह आपके चेहरे को गर्माहट देगा और मुंहासों की ओर ध्यान कम करेगा। ध्यान रखें कि ब्लश या ब्रॉन्जर लगाने का तरीका ऐसा हो कि वह प्राकृतिक लगे और आपके चेहरे को एक स्वस्थ चमक दे।

फेस मास्क का उपयोग करे-

फेस मास्क त्वचा की गंदगी को साफ करने और मुंहासों को कम करने में मदद करता है।हफ्ते में दो बार फेस मास्क लगाएं, इससे आपकी त्वचा को पोषण मिलेगा और मुंहासे कम होंगे। फेस मास्क लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें ताकि मास्क का प्रभाव बेहतर हो सके। इसके अलावा नियमित रूप से मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें, जिससे आपकी त्वचा हाइड्रेटेड रहे।

घरेलू उपाय अपनाएं

घरेलू उपाय जैसे नींबू का रस, एलोवेरा जेल या टी ट्री ऑयल भी मुंहासों को कम करने में मदद कर सकते हैं।इनका नियमित उपयोग करने से न केवल मुंहासे कम होंगे बल्कि आपकी त्वचा भी स्वस्थ दिखेगी। इन घरेलू उपायों का इस्तेमाल करने से पहले त्वचा की संवेदनशीलता जांच लें ताकि किसी भी प्रकार की जलन या समस्या न हो।

छत्तीसगढ़ पंचायती राज और नगरीय निकाय के अभ्यास प्रश्न

आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी

प्रश्न 01 - ग्राम सभा बैठक की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति को अधिकार है -

01. गणपूर्ति न मिलने पर बैठक स्थगित करने

02. मत बराबर होने की स्थिति में निर्णायक मत देने के आधिकार

कूट -

a. केवल 01
b. केवल 02
c. 01 और 02 दोनों
d. इनमें से कोई नहीं

उत्तर - c. 01 और 02 दोनों

प्रश्न 2. इनमें से कौन सा कार्य ग्राम सभा के कार्यों में शामिल हैं?

01. ग्राम पंचयत के वार्षिक बजट पर विचार करना

02. ग्राम पंचायत की संपरीक्षा रिपोर्ट पर विचार करना

03. सरकार के गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम का क्रियान्वयन करना।

04. नि:शक्त तथा निराश्रित की सहायता करना।

05. दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर करना।

06. जिला पंचायत या जनपद पंचायत द्वारा सौपे गए कार्यों को करना

07. लोगों में सामान्य जागरूकता को बढ़ावा देना

कूट -

a. 1, 2 और 3
a. 1, 2, 3, और 4
a. 1, 2, 3, 4 ,और 5
a. उपरोक्त सभी ।

उत्तर - d. उपरोक्त सभी ।

प्रश्न 3. ग्राम सभा की विशेष बैठक के संबंध में नीचे दिये गए कथनो पर विचार कीजिये ?

01. ग्राम सभा की कुल सदस्यों की संख्या के एक-तिहाई से अधिक सदस्यों के लिखित मांग पर।

02. जनपद पंचायत, जिला पंचायत या जिला कलेक्टर द्वारा बैठक की मांग करने पर।

03. बैठक की मांग के 30 दिन के भीतर बैठक आयोजित किया जाना अनिवार्य हैं।

इनमें से कौन सा कथन सहीं हैं-

कूट -

a. केवल 01
a. 01 और 02
a. उपरोक्त सभी
a. सभी कथन गलत हैं।

उत्तर - c. उपरोक्त सभी

प्रश्न 4. ग्राम सभा की लगातार तीन बैठकों में गणपूर्ति नहीं होने पर क्या होगा?

a. पंचायत भंग हो जाएगी
b. जिम्मेदार सरपंच और पंच नोटिस दिया जाएगा
c. सरपंच और पंच को हटा दिया जाएगा
d. कुछ नहीं होगा

उत्तर - b. जिम्मेदार सरपंच और पंच नोटिस दिया जाएगा

प्रश्न 5. छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम के संबंध में क्या सुमेलित नहीं हैं?

a. धारा-129 a परिभाषाए
b. धारा-129 b ग्राम और ग्राम सभा का गठन
c. धारा-129 c सीटों का आरक्षण
d. धारा-129 d ग्राम पंचायत के कार्य

उत्तर - धारा-129 सीटों का आरक्षण

प्रश्न 6. पंचायत वनो के संरक्षण की जिम्मेदारी किसकी है -

a. वन विभाग
b. ग्राम पंचायत
c. जनपद पंचायत
d. जिला पंचायत

उत्तर - b.

प्रश्न 7. जनपद पंचायत और जिला पंचायत के अध्यक्षों में समानता क्या है ?

(i) दोनों अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं
(ii) दोनों मूलत: संस्था के सदस्य के रूप में चुने जाते है
(iii) दोनों को अविश्वास प्रस्ताव द्वारा पदच्युत किया जा सकता है
(iv) दोनों समान जनता का प्रतिनिधित्व करते है

कूट :

a. (i)
b. (i) (ii)
c. (i) (ii) (iii)
d. (i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर — c.

प्रश्न 8. जिला पंचायत के अध्यक्ष को उसके पद से कैसे हटाया जा सकता है

a. 3/4 बहुमत से पारित अविश्वास प्रस्ताव द्वारा
b. 2/3 बहुमत से पारित अविश्वास प्रस्ताव द्वारा
c. साधारण बहुमत से पारित अविश्वास प्रस्ताव द्वारा
d. उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर- d.

प्रश्न 9. पंचायत की बैठकों के संबंध में कौन-सा कथन गलत हैं?

कथन 01 - प्रथम बैठक निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के 30 दिन के भीतर बुलाई जाएगी।

कथन 02 - मासिक बैठक प्रत्येक माह में कम से कम एक बैठक।

कथन 03 - विशेष बैठक केवल जिला कलेक्टर की मांग पर ही बुलाया जाता हैं।

कथन 04 - जनपद पंचायत के लिए प्रथम बैठक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बुलाएगा।

कूट

a. केवल 01 और 02
b. केवल 03
c. केवल 03 और 04
d. केवल 04

उत्तर - b. केवल 03

प्रश्न 10. ग्राम पंचायत के सरपंच के प्रत्यावर्तन के विषय में सही है

1. गुप्त मतदान द्वारा
2. खुला मतदान द्वारा
3. ग्राम सभा में उपस्थित सदस्यों के बहुमत से
4. ग्राम सभा में उपस्थित सदस्यों के 2/3 बहुमत से
5. ग्राम पंचायत के समस्त मतदाताओं से के बहुमत

कूट-

a. 1 और 3
b. 2 और 4
c. 1 और 5
d. 2 और 3

उत्तर- c.

प्रश्न 11. पंचायत के उपचुनाव के संबंध में क्या सहीं हैं?

कथन 01 - कार्यकाल 6 माह या 6 माह से कम बचा हो तो निर्वाचन कराया जाएगा

कथन 02 - कार्यकाल 6 माह या 6 माह से कम बचा हो तो निर्वाचन नहीं कराया जाएगा

कथन 03 - नये निर्वाचित पदाधिकारी का कार्यकाल पंचयात की शेष अवधि के बराबर होगा।

कथन 04 - नये निर्वाचित पदाधिकारी का कार्यकाल 05 वर्ष का होगा।

कूट -

a. केवल 01
b. केवल 01 और 02
c. केवल 02 और 03
d. केवल 04

उत्तर - c. केवल 02 और 03

प्रश्न 12. ग्राम पंचायत की बैठक में कोरम क्या होना चाहिए?

a. पंचायत के कुल सदस्य संख्या के एक तिहाई सदस्यों की उपस्थिति
b. पंचायत की कुल सदस्य संख्या के 50% पांचों की उपस्थिति
c. पंचायत की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई सदस्यों की उपस्थिति
d. पंचायत की कुल सदस्य संख्या के 1/10 सदस्यों की उपस्थिति

उत्तर - b. पंचायत की कुल सदस्य संख्या के 50 प्रतिशत पांचों की उपस्थिति

प्रश्न 13. ग्राम पंचायत या जनपद पंचायत के पदाधिकारियों के लिए आयोग्यता निर्धारित कौन करेगा?

a. जिला कलेक्टर
b. पंचायत संचालक
c. राज्य सरकार
d. न्यायालय

उत्तर - a. जिला कलेक्टर

प्रश्न 14. जनपद पंचायत का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष अपना त्याग पत्र किसे देता हैं?

a. संयुक्त संचालक
b. जिला कलेक्टर
c. राज्य सरकार
d. मुख्य सचिव

उत्तर - b. जिला कलेक्टर

स्वाद में लाजवाब होते हैं बेसन के गट्टे

क्या आपको राजस्थानी खाने का जायका पसंद है? अगर हां, तो आपने बेसन के गट्टे की सब्जी का नाम जरूर सुना होगा। यह एक ऐसी डिश है जो अपने अनोखे स्वाद और टेक्सचर के लिए जानी जाती है। बहुत से लोगों को लगता है कि बेसन के गट्टे बनाना बहुत मुश्किल काम है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है! अगर आप सही तरीका फॉलो करें, तो आप भी घर पर आसानी से एकदम सॉफ्ट और टेस्टी गट्टे बना सकते हैं। आइए आपको बताते हैं इसकी आसान रेसिपी।

स्वाद में लाजवाब होते हैं बेसन के गट्टे, फॉलो करेंगे ये रेसिपी; तो इन्हें बनाना नहीं लगेगा मुश्किल

कितने लोगों के लिए : 2

सामग्री :

बेसन: 1 कप दही: 2 बड़े चम्मच (खट्टा न हो) अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 छोटा चम्मच (ऑप्शनल) लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर: 1/4 छोटा चम्मच धनिया पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन: 1/4 छोटा चम्मच हींग: चुटकी भर नमक: स्वादानुसार तेल: 1 बड़ा चम्मच (आटे में डालने के लिए) पानी: आटा गूंथने के लिए तेल/घी: 2-3 बड़े चम्मच जीरा: 1 छोटा चम्मच राई: 1/2 छोटा चम्मच (ऑप्शनल) तेज पत्ता: 1 दालचीनी का टुकड़ा: 1 छोटा लौंग: 2-3 प्याज: 1 मध्यम आकार का, बारीक कटा हुआ अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 बड़ा चम्मच टमाटर: 1-2 मध्यम आकार के, पिसे हुए या बारीक कटे हुए दही: 1/2 कप (फेंटा हुआ, खट्टा न हो) लाल मिर्च पाउडर: 1 छोटा चम्मच (या स्वादानुसार)

हल्दी पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच धनिया पाउडर: 2 छोटे चम्मच गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच कसूरी मेथी: 1 छोटा चम्मच (हाथों से मसलकर) हरा धनिया: बारीक कटा हुआ (सजावट के लिए) नमक: स्वादानुसार

विधि :

एक बड़े बर्तन में बेसन लें। इसमें दही, अदरक-लहसुन का पेस्ट (अगर इस्तेमाल कर रहे हैं), लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, अजवाइन, हींग, नमक और 1 बड़ा चम्मच तेल डालें।इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए एक नरम आटा गूंथ लें, जैसा आप रोटी के लिए गूंथते हैं। आटा न तो बहुत सख्त होना चाहिए और न ही बहुत नरम। आटे को 5-7 मिनट तक मसल-मसलकर चिकना कर लें।गूंथे हुए आटे को बराबर हिस्सों में बांट लें। हर हिस्से से लंबी, पतली और चिकनी रोल (उंगलियों जितनी मोटी) बना लें। एक गहरे बर्तन में पानी गरम करें और उसे उबलने दें। जब पानी में अच्छी तरह उबाल आ जाए, तो तैयार किए हुए बेसन के रोल्स को धीरे-धीरे उबलते पानी में डालें। गट्टों को मध्यम आंच पर 15-20 मिनट तक उबालें। आप देखेंगे कि गट्टे पकने के बाद पानी में ऊपर तैरने लगेंगे और उनका आकार थोड़ा बड़ा हो जाएगा। इसके बाद उबले हुए गट्टों को पानी से निकालकर एक प्लेट में रखें और उन्हें ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद, इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। आप इन्हें अपनी पसंद के अनुसार गोल या तिरछे काट सकते हैं। (गट्टे उबालने के बाद बचे हुए पानी को फेंके नहीं, इसका इस्तेमाल ग्रेवी में किया जा सकता है।) इतना करने के बाद एक कड़ाही में तेल/घी गरम करें। इसमें जीरा, राई (अगर इस्तेमाल कर रहे हैं), तेज पत्ता, दालचीनी और लौंग डालकर कुछ सेकंड के लिए भूनें, जब तक कि जीरा चटकने न लगे। अब बारीक कटा हुआ प्याज डालें और सुनहरा भूरा होने तक भूनें। अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर एक मिनट तक भूनें, जब तक उसकी कच्ची महक निकल न जाए। फिर पिसे हुए टमाटर डालकर अच्छी तरह भूनें, जब तक कि मसाला तेल न छोड़ने लगे। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर एक मिनट और भूनें। अब गैस की आंच धीमी करें और फेंटा हुआ दही धीरे-धीरे डालें, लगातार चलाते रहें ताकि दही फटे नहीं। दही को तब तक भूनें जब तक वह मसाले में अच्छी तरह मिक्स न हो जाए और तेल अलग न होने लगे। अब गट्टे उबालने के बाद बचा हुआ पानी (या सादा पानी) आवश्यकतानुसार डालें। ग्रेवी को एक उबाल आने दें। उबाल आने के बाद, इसमें कटे हुए बेसन के गट्टे और नमक डालें। अच्छी तरह मिलाएं और ढककर धीमी आंच पर 7-10 मिनट तक पकने दें, ताकि गट्टे ग्रेवी का स्वाद अच्छी तरह सोख लें।

गैस बंद करने से पहले गरम मसाला और कसूरी मेथी डालकर मिलाएं।

गरमागरम सब्जी को हरे धनिये से सजाकर रोटी, पराठे, चावल या नान के साथ परोसें।

अब बिना ओवन के भी बना सकते हैं पिज्जा

पिज्जा बच्चों से लेकर बड़े तक सभी बहुत पसंद करते हैं। लेकिन अगर बाहर से पिज्जा नहीं मंगाना चाहते, तो आप घर पर तवा पिज्जा बना सकते हैं। इस पिज्जा को बनाने के लिए आपको ओवन की जरूरत नहीं पड़ेगी। आइए जानते हैं कि कैसे आप बिना ओवन के घर पर टेस्टी पिज्जा बना सकते हैं।

कितने लोगों के लिए : 2

सामग्री :

1 कप मैदा कप गेहूं का आटा छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर छोटा चम्मच बेकिंग सोडा बड़ा चम्मच तेल छोटा चम्मच नमक 2 बड़े चम्मच दही कप प्याज, पतले कटे हुए कप शिमला मिर्च, कटी हुई कप मशरूम, कटे हुए टमाटर, कटा हुआ स्वादानुसार नमक छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स छोटा चम्मच ऑरिगैनो बड़ा चम्मच तेल छोटा चम्मच लहसुन, कटा हुआ कप प्याज, कटा हुआ कप टमाटर प्यूरी छोटा चम्मच चीनी छोटा चम्मच विनेगर स्वादानुसार नमक छोटा चम्मच ऑरिगैनो छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स कप मोजरेला चीज कुछ बेसिल के पत्ते ऑलिव ऑयल

विधि :

सबसे पहले एक बड़े मिक्सिंग बाउल में

मैदा, गेहूं का आटा, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, तेल, नमक और दही डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

अब धीरे-धीरे पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा बहुत नरम होना चाहिए, लेकिन चिपचिपा नहीं। अब आटे को 5-6 मिनट तक अच्छी तरह गूंथें और फिर 1 घंटे के लिए ढककर रख दें।

दूसरी तरफ एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें प्याज, शिमला मिर्च, मशरूम और टमाटर डालकर हल्का-सा सॉटे करें।

अब इसमें नमक, चिली फ्लेक्स और ऑरिगैनो डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें।

उसी पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और उसमें लहसुन और प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। अब इसमें टमाटर प्यूरी, चीनी, विनेगर, नमक, ऑरिगैनो और चिली फ्लेक्स डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

सॉस को तब तक पकाएं जब तक उसका पानी कम न हो जाए और गाढ़ा न हो जाए।

आटे को 2-3 हिस्सों में बांट लें और हल्का बेलन चलाकर चपाती से थोड़ा मोटा बेल लें। अब इसे कांटे से चारों तरफ से हल्का चुभो दें, ताकि यह फूल न सके। अब एक तवा गर्म करें और उस पर बेले हुए आटे को रखकर एक तरफ से हल्का सेंक लें।

अब इसे पलट दें और दूसरी तरफसेकते हुए ऊपर से पिज्जा सॉस फैलाएं। मोजरेला चीज कद्दूकस करके ऊपर बिखेर दें और टॉपिंग वाली सब्जियां डालें।

ऊपर से कुछ बेसिल के पत्ते और थोड़ा और चीज डालें।

अब तवे को ढककर धीमी आंच पर पकाएं जब तक चीज पिघल न जाए। गैस बंद करके गर्मागर्म सर्व करें।

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड श्रोत समन्वयक जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड श्रोत समन्वयक दुलदुला

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड श्रोत समन्वयक मनोरा

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड श्रोत समन्वयक कुनकुरी

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

नरेंद्र सिन्हा

जिला समन्वयक समग्र शिक्षा राजीव गांधी शिक्षा मिशन जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड श्रोत समन्वयक पत्थलगांव

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त कर्मचारी जनपद पंचायत जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त कर्मचारी जनपद पंचायत दुलदुला

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त कर्मचारी जनपद पंचायत कुनकुरी

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त कर्मचारी जनपद पंचायत बगीचा

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त कर्मचारी जनपद पंचायत पत्थलगांव

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त कर्मचारी जनपद पंचायत कांसाबेल

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

घनश्याम सिंह जात्रा
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं समस्त कर्मचारीगण जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

व्ही के इंदवार
सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक एवं समस्त कर्मचारीगण जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

कार्यपालन अभियंता अंबिकापुर एवं अनुविभागीय अधिकारी राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

कार्यपालन अभियंता,एसडीओ, इंजिनियर एवं समस्त कर्मचारी लोक निर्माण विभाग जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

कार्यपालन अभियंता,एसडीओ, इंजिनियर एवं समस्त कर्मचारी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पत्थलगांव

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

कार्यपालन अभियंता, एसडीओ, इंजिनियर एवं समस्त कर्मचारी लोक निर्माण विभाग पत्थलगांव

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

टी.के.जाटवर
जिला कार्यक्रम अधिकारी व समस्त कर्मचारी
महिला एवं बाल विकास विभाग कोण्डागांव

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

अजय शर्मा
जिला कार्यक्रम अधिकारी व समस्त कर्मचारी
महिला एवं बाल विकास विभाग जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

श्रीमती रेणु प्रकाश
जिला कार्यक्रम अधिकारी व समस्त कर्मचारी
महिला एवं बाल विकास विभाग कोरबा

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

कार्यपालन अभियंता, एसडीओ, इंजिनियर एवं समस्त कर्मचारी जल संसाधन विभाग जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

समस्त ठेकेदार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

कार्यपालन अभियंता, एसडीओ, इंजिनियर एवं समस्त कर्मचारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

कार्यपालन अभियंता, एसडीओ, इंजिनियर एवं समस्त कर्मचारी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

मा. कृष्ण कुमार राय जी

नितिन राय

संभाग प्रभारी भाजयुमो

विनितः समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाजपा जिला जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

भरत सिंह

जिलाध्यक्ष भाजपा जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

गंगा राम भगत

अध्यक्ष

एवं समस्त बीडीसी जनपद पंचायत जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

सुनील गुप्ता

पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

विष्णु कुलदीप

अधिवक्ता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

श्रीमती रायमुनी भगत
विधायक जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

श्रीमती गोमती साय
उपाध्यक्ष सरगुजा
विकास प्राधिकरण एवं विधायक पत्थलगांव

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

प्रभात सिडाम
अध्यक्ष

दिनेश शर्मा
उपाध्यक्ष

समस्त पार्षद, सीएमओ एवं समस्त कर्मचारीगण नगर पंचायत बगीचा

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

अरविंद भगत
अध्यक्ष

युवराज यश प्रताप सिंह जूदेव
उपाध्यक्ष

समस्त पार्षद, सीएमओ एवं समस्त कर्मचारीगण नगरपालिका परिषद जशपुर

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका "जशपुर की आवाज" के प्रकाशन पर ढेरों बधाई और शुभकामनाएं

श्रीमती गायत्री नागेश
अध्यक्ष

अरविंद गुप्ता
उपाध्यक्ष

समस्त जनपद पंचायत सदस्य, सीईओ एवं समस्त कर्मचारगण जनपद पंचायत, बगीचा

स्वामी, प्रकाशक, संपादक – श्रीमती अमृता सहाय, मालाकुंज बालाजी टोली वार्ड क्रमांक 13 जशपुर पिन कोड 496331 छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, आसमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड जयस्तंभ चौक रायपुर, रायपुर छग से मुद्रित, मो. 9907599002 संपादक प्रशांत सहाय **RNI-CHHHIN/25/A0341**(न्याय क्षेत्र जशपुर होगा।)